परमेश्वर अपने वचन को पूरा करता है

... दिन बीत गए। और मैं उसका आभारी हूं जिसने जब मैं भीतर आया तो मेरे लिए गाने का यत्न किया, बहन एंजी और बहन गर्टी। प्रभु उन्हें आशीष दे। जब मैं यह सुनता हूं, तो यह पुरानी यादों को वापस ले आता है। आराधनालय छोड़ने के थोड़ा सा पहले, हमारे यहां पर पूरे शरद ऋतू, प्रभु यीशु के प्रकाशन की पुस्तक को प्रचार करने के लिए एक महान बेदारी थी। और मैं... लगभग प्रति रविवार रात्री वे *पकडे रहो* यह गीत गाया करते थे। धन्यवाद, बहन गर्टी। और आज रात्री मैं निश्चित रूप से आनन्दित हूं कि उन्होंने हमारे लिए गाया।

2 बहन एंजी कह रही थी कि उसका गला थोड़ा खराब है। स्वयं को अकेला ना समझे। मेरा भी है। परन्तु, इस प्रात:, लोगों के ढाई घंटे उपदेश सुनने के पश्चात लोगो ने कष्ट उठाया... यह मेरा एक छोटा सा रूप था। इसलिए, मैं बाहर गया, जबकि भूमी थोड़ी गीली थी, और, सही में, मैं इसी प्रकार से लेता हूं।

3 परन्तु, मैं बस वचन से प्रेम करता हूं, और विशेषकर वचन के साथ पवित्र आत्मा की आशीषे। और जब आशीषे दे रहा है और सहायता कर रहा है, तो बस मुझे रुकने का स्थान नहीं मिलता, इसलिए आप जानते हैं कि यह कैसे है। अब, सम्भवतः आज रात्री अधिक लम्बे तक नही बोलना चाहता, क्योंकि गला थोड़ा खरखरा रहा है, परन्तु अपनी आशीषों के लिए परमेश्वर पर निर्भर कर रहा हूं और उसकी आत्मिक सहायता के लिए जो कि हमारे जीवन में अति आवश्यकता है।

4 और अब, जैसा कि भाई नेविल ने अपने कार्यक्रम के साथ, बल्कि अपने कार्यक्रम पर उद्घोषणा की है। और मेरी इच्छा है कि हर सुनने वाला उस कार्यक्रम को सुने। अब, उन्होंने मुझे इसे कहने के लिए नहीं कहा है। परन्तु कार्यक्रम के सुनने से इतनी आशीषे नहीं मिली, जितनी पिछले शनिवार मिली थी। कितनों ने वह संदेश सुना? वह श्रेष्ठकृति थी। डब्लूएलआरपी नौ बजे से साढ़े नौ बजे, प्रत्येक शनिवार की सुबह, नेविल ट्रियो।

5 और मैं उस भाई से बातें कर रहा था जो रिकॉर्डिंग करता है, भाई लिओं, जो कि कमरे में है। और वह इसमें इतना मगन हो गया कि वह... उसने कहा, "कहा, ये कौन प्रचारक है?" उसने रेडियो चला रखा था। और भाई जीन, या उनमें से किसी ने कहा, "ये भाई नेविल है। यह उनका समय है।" और यह वास्तव में शानदार था। केवल वही नहीं, परन्तु प्रत्येक।

6 मैंने आपको कारण बताया कि मैं क्यों भाई नेविल को सुनना पसन्द करता हूं। विशेषकर इसलिए नहीं क्योंकि वह एक अच्छा प्रचारक है, परन्तु क्योंकि मैं जानता हूं वह प्रचार को जीता है। और मैं चाहता हूं कि आप मेरे लिए उपदेश को जीये बजाये मुझे प्रचार करने के। यह अधिक प्रभावशाली होगा।

7 और अब मैंने उद्घोषणा कर दी है, उद्घोषणा कर दी थी, जिस पर की मैं आज रात्री, थोड़े समय के लिए बोलुंगा: *परमेश्वर अपने वचन को स्थिर रखता है।*

8 और आज सुबह मैं: *मसीहत की नकल* पर बोल रहा था।

9 और, अब, प्रभु उसके आशीष को जोड़े जब हम उसके वचन को पढ़ते है। और अब मैं वचन में से अनेक स्थानों पर से पढ़ना चाहता हूं, कम से कम तीन स्थानों से, या सम्भव है कुछ और उद्धृत करें। क्योंकि, यह वचन है जिसके विषय में हम बोल रहे हैं। बाईबल की अंतिम किताब में, प्रकाशितवाक्य की किताब, पूरी बाईबल पूरी हो चुकने के बाद... समाप्त होने पर, यहाँ कलीसिया के लिए वो—वो संदेश था। प्रकाशितवाक्य के 22वें अध्याय में, और 17वें पद से आरंभ करते हुए।

> *और आत्मा और दुल्हन दोनों कहती हैं, आ*। और वो जो प्यासा हो वह कहे, आये!... *वो जो सुनता है कहे, आ। और वो जो प्यासा हो वह आये। जो कोई चाहे, वह जीवन का* जल *सेतमेत ले।*
>
> *क्योंकि मैं हर एक को जो इस पुस्तक की भविष्यवाणी की बातें सुनता है, गवाही देता हूं, यदि कोई मनुष्य इन बातों में कुछ बढ़ाए, तो परमेश्वर उन विपत्तियो को जो इस पुस्तक में लिखी है उस पर बढ़ाएगा:*
>
> और *यदि कोई मनुष्य* इस *भविष्यवाणी की पुस्तक की* बातो *में से कुछ निकाल डाले, तो परमेश्वर उस जीवन की पुस्तक में*

है उसका भाग निकाल देगा, और पवित्र नगर से, और उन बातों से जो इस *पुस्तक में लिखी हुई है।*

जो इन बातों की गवाही देता है, *वह यह कहता है, हां शीघ्र आनेवाला हूं। आमीन। हे प्रभु यीशु, आ।*

प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह पवित्र लोगो के साथ रहे। आमीन।

10 और फिर संत यूहन्ना में, संत यूहन्ना का 12वां अध्याय, और 39वें पद से आरंभ करते हुए।

इस कारण विश्वास ना कर सके, क्योंकि... यशायाह ने फिर भी कहा है,

कि उसने उनकी आंखे अंधी, और उनका मन कठोर किया है; कही ऐसा ना हो, कि वे आंखों से देखें, और ना ही मन से समझें, और फिरें, और मैं उन्हें चंगा करूं।

11 और फिर संत मत्ती में, 24वां अध्याय, और 35वें पद में, यीशु बोल रहा है।

आकाश और पृथ्वी टल जाएंगे, परन्तु मेरी बातें कभी ना *टलेंगी।*

12 और गलातियों 1:8 में।

... परन्तु यदि हम, या स्वर्ग से कोई दूत भी उस सुसमाचार को छोड़ जो हमने तुमको सुनाया कोई और सुसमाचार तुम्हे सुनाये, *तो तुम्हारे* निमित वो *श्रापित हो।*

13 अब आईये प्रार्थना के लिए कुछ क्षण हम अपने सिरों को झुकाए।

14 हमारे परमेश्वर, हम तेरे पास तेरे प्रिय पुत्र के नाम से आते हैं, जिसने हमें निमन्त्रण दिया है, कहते हुए, "पिता से मेरे नाम में कुछ भी मांगो, मैं वह करूंगा।" इसलिए हम यीशु के नाम में आते है, कि पहले अपने पापों और कमी–घटियों के लिए प्राश्चित करें; और तुझ से मांगे कि हमें हमारे अपराधो से धो दे, और हमारे विचारों को शुद्ध कर दे, ताकि हम सही बातों को सोचेंगे, और परमेश्वर के राज्य के भागी हो। और होने पाए कि हमारे विचार, आज रात्री, किसी चीज पर हो, जो परमेश्वर के राज्य को अधिक अच्छा बनाये, और जो लोग राज्य में लोग हैं उन्हें अच्छा बनाए। और होने पाए हमारे ह्रदय गलत बातों से शुद्ध हो। हम तेरे सन्मुख सीधी चाल चलना

चाहते हैं, अपने शुद्ध हाथों और शुद्ध ह्रदय के साथ। और, ओह, केवल परमेश्वर ही इसे कर सकता है।

15 और पिता, हम प्रार्थना करते हैं, कि हमारे हाथों और ह्रदय को शुद्ध करें। अलग होने वाले जल से हमें धो दे, संसार की वस्तुओं से, वचन के द्वारा। और वचन के द्वारा, आपने कहा है, "कि तुम वचन से शुद्ध हुए हो।" और हम प्रार्थना करते हैं कि वचन आज रात्री हमारे ह्रदय की गहराईयो को जांचेगा। और हमारे अविश्वास से हमें शुद्ध करेगा, और हमारे ह्रदय पवित्र आत्मा में नये हो जाए। और आज रात्री होने पाए वह हमारे लिए उन बातो को लाये, जो परमेश्वर के राज्य के लिए लाभदायक हो। प्रभु, जो निर्बल है उनकी सहायता करें, और जो वचन पर विश्वास करने के लिए कठिनाई का सामना करते हैं।

16 और, ओह परमेश्वर, इस अंधकार और जोखिम भरी घड़ी जिसमें हम रह रहे हैं, और जैसा कि हम सामने संसारिक संकटो को देखते हैं, हम केवल अपने सन्मुख अंधकार को देखते हैं। और तू ने कहा है, "जब इन बातों को होते देखो, तो ऊपर देखना क्योंकि हमारा छुटकारा निकट है।" और होने पाए आज रात्री हम प्रोत्साहित हो, और पवित्र आत्मा के द्वारा, कि इसे अपने ह्रदय में ले, कि स्वर्गीय परमेश्वर के मुख की ओर ताक सके, जिसने इस समय में हमारे छुटकारे की प्रतिज्ञा की है। और जैसे कि यूहन्ना ने पतमुस टापू पर प्रार्थना की, "प्रभु यीशु, तू जल्द ही आ।"

17 और हम प्रार्थना करते हैं कि आज रात्री आप हमें इन बातों को प्रदान करेंगे। और वे सब जो बीमार और अपाहिज है उन्हें चंगा करे। और संतों को शांती। पापियों को प्राश्चित के लिए बुलाये। और हम सब को फिर नया कर दे, ताकि आज रात्री हम परमेश्वर के सारे हथियार बांध ले, और एक सिपाही के समान युद्ध में तैयार हो कर जाये जो हमारे सामने है।

18 अब, जैसा कि हम आज रात्री प्रत्येक प्रार्थना में एकत्र हुए हैं, और हमारे ऊपर यह झण्डा है, भोर का तारा मार्ग की अगुवाई कर रहा है! और शत्रू की छावनी भी हमारे चारो ओर हैं, और उनका चुनौती देने वाला आकर शेखी मारता है, और कह रहा है, "आश्चर्यकर्मो के वे दिन बीत गए।" परन्तु, हे परमेश्वर, हमारे लिए एक दाऊद को उठा, एक योद्धा, एक चुनौती देने वाला। और होने पाए वह आत्मा प्रत्येक ह्रदय में अधिकाई से पायी जाये। क्योंकि हम यह मसीह के नाम में मांगते हैं। आमीन।

19 इस अधिक महत्वपूर्ण विषय पर आते हुए, और इसका निशाना किसी विशेष का विश्वास नहीं, या बिगाड़ना, या परेशान करना, या शत्रू बनाना नही है। इसका अर्थ केवल लोगो को जो परमेश्वर के है उनको एकत्र करना और जोड़ना है। और जिस कारण मैंने इसे बोलने के लिए आज रात्री आराधनालय के लोगो के लिए लिया, उसका कारण इस समय कि दशा जिसमे कि हम रह रहे हैं। मैं—मैं विश्वास करता हूं कि हम किसी ऐसी उस—उस चीज के आरंभ में रह रहे हैं, कि सारा संसार जानता है, कि कुछ घटित होने को है। कोई भी ऐसा योग्य नही लगता कि अपनी उंगली उस पर रखे, परन्तु फिर भी हम जानते हैं कि कुछ घटित होना तय है। यह केवल यहीं पर नहीं है। यह हर ओर है।

20 और मैं सोचता हूं कि आज रात्री यही सब अधिक उपयुक्त है, यदि हम इस समय को लेंगे, जबकि लोग एक साथ एकत्र हैं, कि ऐसे कुछ पर बोला जाये जो कि विशेष जोरदार, कि भला हो, ताकि हम समझ सके, और मसीह के सुसमाचार की एक—एक अच्छी समझ के साथ हो जाये, और वह समय जिसमें हम रह रहे हैं।

21 अब, आरंभ करते हुए, मैं यह कहना चाहता हूं, कि अधिक समय नहीं हुआ है, कि मैं लूथरन के धर्म विद्यालय में था। और उनके पत्र लिखने के बाद, एक लूथरन भाई ने मुझसे कहा, एक बहुत ही कठोर आलोचना, डीन की। और बोल रहे थे और मुझे बातें बता रहे थे, कि—कि मैं एक "भविष्य बताने वाला" हूं, और बहुत सी बुरी बातें जो कि, वास्तव में, वे प्रमाणित नहीं कर सकते थे। क्योंकि, मैंने कहा कि, "शैतान चंगा नहीं कर सकता है।"

22 अब, यदि शैतान चंगा कर सकता है, तो वह एक सृष्टी करने वाला है। और, केवल एक ही सृष्टी करने वाला है, और वह परमेश्वर है। शैतान सृष्टी नहीं कर सकता।

23 शैतान सर्वव्यापी भी नहीं है। वह केवल एक समय में एक स्थान पर होता है; उसकी दुष्ट आत्मायें हर जगह उपस्थित होती है। परन्तु, परमेश्वर सर्वव्यापी है। शैतान केवल एक ही स्थान पर उपस्थित रह सकता है।

24 परमेश्वर सर्वशक्तिमान है। शैतान की सामर्थ सीमित है, जब तक वह किसी को धोखा दे सके। उसके पास केवल एक ही वैद्य चीज है, कि आपको वापस पृथ्वी की मिट्टी में ले जाये। उसके पास केवल यही चीज है। और,

वह फिर भी, परमेश्वर की आशीष, परमेश्वर की प्रतिज्ञा के साथ है, उस पुनरुत्थान के लिए।

25 इसलिए, केवल परमेश्वर ही सृष्टिकर्ता है, और केवल परमेश्वर ही है जो कि कोशिकाओं का निर्माण कर सकता है। और कोशिकायें सृष्टी है, और सृष्टी केवल परमेश्वर के द्वारा आती है। सो, केवल परमेश्वर ही चंगाकर्ता है, और दिव्य चंगाई को छोड़ और कोई चंगाई नहीं है।

26 हमारे प्रसिद्ध डॉक्टर हड्डी को सही बैठा सकते हैं; परन्तु परमेश्वर चंगा करता है। हमारे डॉक्टर अपेंडिक्स को काट सकते हैं, या एक बढ़ते हुए को हटा सकते हैं, केवल वही करना ठीक है। परन्तु चंगाई कौन करता है? परमेश्वर चंगाई करता है, क्योंकि केवल वही सृष्टीकर्ता है।

27 अब उसने कहा, "हम लूथरनों का क्या है? क्या आप सोचते है कि आप हमें मसीही स्वीकार करते है? "

28 मैंने कहा, "बहुत ही निश्चतता।" मैंने कहा, "परमेश्वर का राज्य एक मनुष्य के समान है जिसने अनाज खेत में बोया। और एक प्रात:, उसने जाकर देखा, और उसने देखा, और दो छोटी–छोटी कोपलें निकल आयी, उस आरम्भ के वसंत में। और किसान ने कहा, 'मेरे अनाज के खेत को देखो!' अब, क्या उसके पास अनाज है? संभावित रूप में, उसके पास है, परन्तु बालो में नहीं।"

29 अब, जैसे की यदि मैं आपको एक दूं... आप मुझसे एक बांज का वृक्ष मांगे, और मैं आपको एक बीज दू। संभावित, वह एक बांज का वृक्ष है, क्योंकि बांज का वृक्ष उस बीज में है। इसलिए अनाज के बीज में, आपके पास अनाज है, परन्तु अब वह केवल संभावित है। आपके पास अनाज है। अब, किसान ने कहा, "मेरे अनाज की क्यारी को देखो। क्या यह सुंदर नहीं है? मेरा अनाज!" उसने उसे अनाज कहा, अभी, वह एक कोपल में था।

30 धीरे–धीरे, वह कोपल बढ़ने लगी जब तक वह बढ़ कर छोटा पौधा नही बन गया। छोटा पौधा वह है जहां पराग कण आते है, या पौधे से पराग कण गिर जाते है, जिससे अनाज की उत्पत्ति होती है, नर और मादा के मध्य लैंगिक सम्बन्ध। अब, क्या हो यदि वह छोटा पौधा अपनी पुरानी वाली उस—उस पत्ती को देख कर कहे, "अब, मुझे इससे क्या लेना–देना नहीं है। तू तो दृश्य में भी नहीं है। मैं भिन्न प्रकार की चीज हूं। मैं अब थोड़ा बड़ा

पौधा हूं। मैं ही हूं जिसे पहचाना गया है। तेरा कोई कार्य नहीं है? " परन्तु, फिर भी, बिना पत्ती के, अन्न परागण नहीं कर सकता, क्योंकि छोटा पौधा पत्ती पर गिरता है, वही जहां से बल निकलता है। और वही जीवन जो—जो पत्तियों में है, पत्ती भी छोटे पौधे में है।

31 धीरे–धीरे, बाल आती है। और बाल आती है, दाना या अन्न। और, तब, दाना पौधे से कहता है, "मुझे तुझसे कुछ लेना–देना नहीं। तुम तो दृश्य में भी नहीं हो।" परन्तु यदि वह छोटे पौधे में नहीं होता, तो अन्न का दाना भी नहीं होता।

32 इसलिए बात यह है, कि अंकुरित पौधा लूथरन की बेदारी थी; और छोटा पौधा मेथोडिस्ट की बेदारी थी; और बाल यह बेदारी है। परन्तु, सब मिला कर, एक ही आत्मा, वही जीवन जो अन्न के छोटे पौधे में था, आरंभ से था, ये वही जीवन है जो दाने में है।

33 अब, केवल बात यह है कि पेंटीकोस्टल... मेरा अर्थ वास्तविक पेंटीकोस्टल, ना कि कहलाने वाला। परन्तु, वास्तविक पेंटीकोस्टल संदेश और कुछ नहीं, परन्तु उसी चीज का वापस आना जो भूमी के अंदर चला गया था, जो कि लूथरन, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन में बन्द हो कर निकला। समझे? अब बस यह बाल में आ गया है। और अब मैं...

34 जितना कि मैं इस बयान को देने से घृणा करता हूं, उसमें कुछ फंफूदी उग रही थी। और आप किसान लोग जानते हैं कि ये क्या होता है। यह कुछ ऐसा होता है जो बाल की नकल होती है। अब, यही है जिसको हम आज रात्री काटना चाह रहे हैं। क्योंकि, यदि आप इसे दाने पर से ना हटाये, तो यह पूरे भाग को खराब कर देगा।

35 इसलिए, यह एक चीज है जिसे मैं स्पष्ट करना चाहता हूं, कि, सारे नामधारी कलीसियाओ के लोग, जैसे की वे सब एक महान समय से होकर निकले हैं, तो वह तब पक रहा था। और अब कलीसिया बीज में है, और यह उसी चीज को लेकर आएगी जो भूमी के अंदर गया था। इसलिए, यह बस एक पूर्णत: परिपक्व कलीसिया है जिसमें हम रह रहे हैं। और एक भाग दूसरे भाग को *इस* प्रकार से नहीं कह सकता, क्योंकि वे अपने समय में अच्छे रहे थे। और वे परमेश्वर की दृष्टी में अन्न के भाग में थे, इसलिए हम किसी को नीचा नहीं करना चाहते।

36 परन्तु आज कल कुछ शिक्षाये है, विशेषकर संसार में फैला हुआ

प्रसारण, जो परमेश्वर के वचन को छोटा करता है, और यह कह रहा है, कि, "परमेश्वर कलीसिया में रहता है, और वचन में नहीं।"

37 मैंने एक प्रसिद्ध शिक्षक को सुना कुछ सांझो पहले, बोला, "आपको आपकी बाईबल कहां से मिली? मैं समझता हूं कि यह परमेश्वर की इच्छा थी कि आपके लिए स्वर्ग में बाईबल लिखे, और कुछ छोटे स्वर्गदूतों को दे, और वे स्वर्ग के गलियारे से नीचे उतरे और आप लोगों को इसे भेट में दे दिया।" और कहा, कि, "बाईबल की शिक्षाओं को कोई नहीं जी सकता। और यह सही विश्वनीय नहीं था।" और वे पहली आरंभिक कलिसिया होने का दावा करते हैं।

38 अब, वे लोग, वे जो उस आराधनालय में जाते हैं, हमारे समान पुरुष और स्त्रियां हैं, और वे प्रेम करते है, और खाते और पीते है। और क्या इसे रोकने का कोई विधी है? नही क्योंकि बाईबल कहती है यह इसी प्रकार से चलेगा; और यह ठीक बात है।

39 परन्तु, आपका उत्साह बढ़ाने के लिए, मैं आपको स्पष्ट करना चाहता हूं, कि मैं विश्वास करता हूं कि *यह* परमेश्वर का पूरा, ना असफल होने वाला, शुद्ध वचन है, जिसमें कुछ भी ना मिलाया या निकाला जा सकता है। यह परमेश्वर की अपनी कलीसिया के लिए एक पूरी योजना है। "पहले से बनी हुई नींव को छोड़ मनुष्य और कोई नींव नहीं बना सकता।" आप इसे समझे? इसलिए मैं परमेश्वर के ना असफल होने वाले वचन का विश्वास करता हूं। मैंने उन में से कुछ लोगो से कहा, "आपने कहाँ पर कहा है कि यह बाईबल, आपकी कलीसिया थी? आपकी कलीसिया ने यह बाईबल लिखी है? "

"जी हाँ, हमारे संतों ने यह बाईबल लिखी है।"

40 मैंने कहा, "तो फिर यह इस प्रकार से क्यों लिया गया था, कि आज आप इस बाईबल से इतने भिन्न हैं? "

41 "अच्छा," उसने कहा, "आप देखिये, वे लोग उस एक युग में रहे थे, हम दूसरे युग में रहते हैं।"

42 "परन्तु," मैंने कहा, "परमेश्वर तो सारे युग में रहा। और बाईबल, यदि यह प्रेरणा से हुई, यह तो ना असफल होने वाला परमेश्वर है जिसने इस बाईबल को लिखा। और उसने अपने वचन में कहा, कि, 'स्वर्ग और पृथ्वी टल जाएंगे, परन्तु उसका वचन कभी भी नहीं टलेगा।'"

43 अब, यह मनुष्य के लिए चेतावनी की बात है जिसने इन आती हुई बातों के लिए कभी नहीं सोचा। परन्तु, यदि आप केवल यह जानते, कि यह तो केवल वचन को पूरा कर रहा है। और जितनी घृणा मुझे यह कहने को आती है कि अमेरिका में, और हमारे कल्पनाये और चीजें जो हमें आज हमारे इस कहलाने वाले धर्म में चल रही है, उन्हें नीचा नही कर रहा हूं, परमेश्वर के लोग उनमें रहते है, परंतु मैं यह कहना चाहता हूं: कि, जिन्होंने कैथोलिक और प्रोटेस्टेंट दोनों को साथ–साथ लिया है, उससे यह अमेरिका में आ गया है, दूर हो गये है, वचन की शिक्षा से, और उन्होंने तंत्र को अपना लिया है। और यह तंत्र बुद्धी की व्यवस्था है जो बजाये वचन के स्थान पर चमक–दमक के दिखावे का प्रतिनिधित्व करती है। और अमेरिकन लोग मोहकता पर गिरते हैं। और अमेरिकन लोग देवियों के आराधना का स्थल बन गए हैं।

44 मुझ में महिलाओं के लिए बहुत ही गहन और ऊँचा सम्मान है। एक मेरी मां है, और मेरी पत्नी, और मेरे पास युवा पुत्रियां है। और एक महिला जो अपने स्थान को बनाए रखती है, और सभ्य महिला, उद्धार को छोड़ उससे अधिक मूल्यवान कुछ नहीं, हमारे राष्ट्र के लिए एक वास्तविक महिला से।

45 परन्तु, जब स्त्री की आराधना करने की बात आती है, तो फिर आप बाईबल की योजना से बाहर हैं। बाईबल में कोई ऐसी योजना नहीं है हमारे लिए कि किसी भी स्त्री की आराधना करें, एक मरियम, या एक संत सीसिलिया की। इसके लिए पवित्र शास्त्र का एक बिन्दु भी नहीं। यह ऐसी बात के विरुद्ध है। तो फिर यह क्यों था, यदि यह आरंभ था, वे जो मसीह के साथ चले, और प्रेरणा से लिखा... आप सोचते हैं क्या इसके लिए मैं किसी और व्यक्ति के शब्द लूंगा? नहीं, श्रीमान। *यह* परमेश्वर का अनंत वचन है।

46 अब, वह सेवक, या याजक जो मुझसे बोला, उसने कहा, "परमेश्वर अपनी कलीसिया में है।"

47 मैंने कहा, "परमेश्वर अपने वचन में है।" परमेश्वर अपने वचन में है। बाईबल ने कहा, "आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था। और वचन देहधारी हुआ और हमारे मध्य में डेरा किया।" परमेश्वर अपने वचन में है।

48 अब ध्यान दें, पुराने नियम में, उनके पास सन्देश को सही समझने के

लिए दो मार्ग होते थे। कि जब एक भविष्यद्वक्ता भविष्यवाणी करता है, या स्वप्न दर्शी स्वप्न देखता है, उन्होंने इसे हारून के उस—उस एपोद या छाती पर लगी प्लेट के सन्मुख बताया। हारून के एपोद के सम्मुख बताया हारून के एपोद पर बारह पूर्वजो के जन्म सम्बधी पत्थर इस पर जड़े हुए थे। वह उन्हें अपनी छाती पर पहनता था यह दर्शाने के लिए कि वह इस्राएल के बारह गोत्रों का महायाजक था। और जब वे इस दर्शन को बोल रहे थे, या स्वप्न बता रहे होते; और यदि परमेश्वर ने इसे प्रमाणित किया, उसमें एक अलौकिक उसमें ज्योति उसमें से निकलती थी ऊरीम तुम्मीम, और प्रमाणित किया कि संदेश सत्य था। कोई मतलब नहीं कि यह कितना सजीव प्रतीत हो, कोई मतलब नहीं कि यह समय के साथ कितना भी अनुकूल लगे; यदि ऊरीम तुम्मीम पर अलौकिक ज्योति नहीं चमकी, तो यह अस्वीकार हो गया, क्योंकि उसमें परमेश्वर नहीं था।

49 और मैं आज यह कहता हूं, ओह, मैं चाहता हूं कि आप यह सुन ले: कि कोई भी संदेश, जो याजक से हो, प्रचारक से हो, भविष्यद्वक्ता से, किसी से भी, कोई भी मनुष्य; कोई मतलब नहीं कितना भी आत्मिक, उसका कार्यस्थल क्या है, उसने क्या किया है, यदि उसने मरे हुये को भी जिलाया है, यदि उसने बीमारों को भी चंगा किया है; यदि वह कैंटरबरी का आर्कबिशप है, यदि वह रोम का पोप भी है, यदि वह किसी बड़े नामधारी कलीसिया का अध्यक्ष है; कोई मतलब नहीं कितना आत्मिक होकर, उसने अन्य भाषाओ में बातें की हो, उसने आत्मा में नृत्य किया हो, यधपि उसने सुसमाचार प्रचार किया हुआ हो; कोई मतलब नहीं कि उसने क्या कुछ किया है, यदि उसका संदेश बाईबल में से नहीं आता है, तो वह गलत है। *यह* परमेश्वर का ऊरीम तुम्मीम है।

50 जब बाईबल पूरी हो गई थी, स्वर्ग दूत नीचे उतरा, और यूहन्ना से बातें की। तब यीशु आया, स्वयं, कहा, "मुझ, यीशु ने अपना दूत इन बातों की गवाही के लिए भेजा है। और अब इस पुस्तक को बंद कर दे, परन्तु मोहर ना करें। क्योंकि जो भी इसमें से कुछ घटायेगा, या इसमें कुछ मिलाएगा... " यह परमेश्वर का वचन है।

51 पौलुस ने, आत्मा में सहयोग करते हुए, कहा, "यदि स्वर्ग से कोई दूत," ना कि आर्कबिशप, ना की पोप, ना ही कार्डिनल, "परन्तु स्वर्ग से कोई दूत, इसे छोड़ कोई और संदेश लाये, वह तुम्हारे लिए श्रापित है।"

52 परन्तु अब हम तय कर रहे हैं... जैसे कि वर्षों पहले, पवित्र आत्मा के द्वारा, मैंने पहले ही सदा आपको बताया है। जब हिटलर और मुसोलिनी उठे थे, मैंने कहा, "यह सब ढेर हो जाएगा। सारी बातों को साम्यवाद अपने में ले लेगा, और उत्तर से नीचे आया।"

53 अब अपनी दृष्टी इस कलीसिया पर बनाये रखे। शैतान इस बात का ढिंढोरा पीट रहा है, और यह—यह वचन के साथ नहीं है। यह अनपढ़ लोगों की समझ को भ्रमित कर देता है, जो आत्मिक लोग नही है। और हम बहुत ही शानदार समय में रह रहे हैं जितने कि कभी लोग नही रहे; और फिर भी घोर अंधकार के दिन में, अविश्वासियों के लिए, कि वे... और सबसे अधिक भ्रमित समय, उनके लिए, वे जो नही जानते। यह विशेष है, जैसे दिन में हम रह रहे हैं। और यह जानना कितनी प्रसन्नता की बात है कि आपका लंगर पकड़ करता है, अब, आज, जैसा कि हम इस अंधकार, और दुष्ट समय की ओर बढ़ रहे हैं।

54 अब, मैं लोगों के नाम नही लेना चाहता, परन्तु मैं अब किसी और का नाम लुंगा। परंतु, अब मैं युवाओं के लिए प्रार्थना करता हूं। और हर समय, उसके लिए प्रार्थना करता हूं। लेकिन, वह शैतान के हाथों में एक यंत्र है, और वह व्यक्ति यह है, एल्विस प्रेस्ली। लोग बूगी–वूगी, या रॉक–एंड–रोल में जंगली हो गए हैं। अमेरिकन लोग जा चुके है। और वे उसी आत्मा के द्वारा यत्न कर रहे हैं, कि इन बातों को कलीसिया में ले आए। मुझे कलीसिया का संगीत कलीसिया के संगीत के रूप में पसंद है, और ना की रॉक–एंड–रोल कलीसिया में। परन्तु जब वे इन आत्माओं में आते हैं, तो इसके पीछे कुछ होता है, और शैतान स्वयं को चुनौती देने वाला बन कर लाता है।

55 और ऐसा हुआ कि यह बेचारा, पिछड़ा हुआ, पेंटीकोस्टल लड़के ने कहा, जिस प्रकार से उसने इन झटको को देना और हिलने का अभ्यास सीखा, उसने "इसे पकड़ा और उसने कलीसिया में से सीखा है।" वह मेम्फिस, टेनेसी में पहली असेम्बली ऑफ गॉड का सदस्य है। उसका पास्टर मेरा मित्र है।

56 और वह शैतान का भ्रमित करने और युवा लोगो के मस्तिष्क को दूषित करने का यंत्र है, उन लोगो को वहां तक पहुचा देता है जब तक... उन्होंने अभी–अभी कनाडा में एक स्थान छोड़ा है, मैं सोचता हूं कि उन्होंने चौदह युवा लोगों को पागलखाने भेजा है, कुछ दिनों पश्चात वह वहां पर था। और

समस्त राष्ट्र में, लेकिन लोग पागलपन में असभ्य हो गए हैं।

57 कारण कि वे ऐसा करते है क्योंकि इससे अधिक अच्छा वे और कुछ नहीं जानते। ओह, मेरी कितनी इच्छा है कि वे लोग प्रभु यीशु को जाने; और कितना अच्छा! मैं दोषी नहीं ठहराता; मैं मरणशीलता के लिए दुःख का अनुभव करता हूं। क्या जिन दिनो में हम रह रहे हैं, यह उपयुक्त नही है और चीज उसी प्रकार से चल रही हैं जिस तरह से वे है...

58 और अमेरिका की मूरत हॉलीवुड की मन मोहक लड़की है। जब, वह सारे अमेरिका की गति को तय करती है। जब, वह अपनी असभ्य पोशाक में बाहर आती है, और व्यावहारिक रूप में अमेरिका की हर स्त्री उसके समान फैशन करेगी।

59 यह मेरे एक—एक हृदय को दुःख पहुंचता है, अधिक समय नहीं हुआ, रोम में खड़ा हुआ था, जब की अखबार में इस महिला के लिए विशेष समाचार था, उस दिन उनके अखबार में था, हॉलीवुड में एक बालक को जन्म देने जा रही है, एक रोमी। और उन्होंने अखबार में कहा, अखबारों में... जो कि, मेरे मित्र, बैरन वॉन ब्लोमबर्ग, सात विभिन्न भाषाएं बोल सकता है और स्पष्ट अखबार पढ़ सकता है। उसने कहा, "वह अमेरिकी देवी हो सकती है, परन्तु यह यहां एक रोम की वैश्या है।" कितना लज्जाजनक! अब, उनके पास इस प्रकार की चीजें होनी ही है, यह होना ही है, इस दिन की आत्मा के साथ मेल खाना।

60 यही कारण है कि यह कलीसिया मरियम की आराधना के साथ आ रही है, दूसरी स्त्रियों, और आदि–आदि। यह वही आत्मा, धर्म प्रधान की अधीनता में। और यही कारण है कि वे आपके मस्तिष्क को परमेश्वर के शुद्ध वचन से हटाये, ताकि उस योजना को उत्पन्न करें। निश्चय ही।

61 क्या आप देखते हैं कि हम किस विचलित अवस्था में हैं? क्या आप देखते है कि अमेरिकन युवा किस दशा में हैं? ये कल के पुरुष और स्त्रियां है। कोई आश्चर्य नहीं यीशु ने कहा, "यदि ये दिन घटाये ना जाते, तो कोई प्राणी ना बचता।" इसलिए, मैं अपने विचारों को यहां आधारित कर रहा हूं, कि हम अंत समय में हैं। प्रभु यीशु जल्द ही आयेगा।

62 परन्तु, आज की आत्मा, ओह, क्या आप देख सकते हैं? अपनी सोच पर ले। क्या आप देख सकते हैं कि क्या घटित हुआ? इसके पहले यह बड़ा विनाश, जो आने वाला है, कि पशु की छाप को लाये, और वचन

को पूरा करे, लोगों को विवश करने के द्वारा, जैसे कि अन्य देशों में होता है, पकड़ मजबूत हो जाने के बाद, पकड़ करने के बाद वे लोग, जो इसे स्वीकार नहीं करते, उन पर इन चीजों का दबाव डालते है पीडा का कारण और आने का बहिष्कार। क्या आप देख सकते है अमेरिका मोहकता और देवियो के लिए गिर गया? और यह भुगतान है, शैतान शरीर के आयाम में, अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए मार्ग बना रहा है। आमीन। मैं आशा करता हूं कि आप इसे समझते है। इससे अलग रहे। मैं चिन्ता नहीं करता डी.डी., पीएच.डी, या जो भी इसके पीछे है; यह एक झूठ है।

63 "हर मनुष्य का वचन झूठा हो, और मेरा सच्चा," प्रभु ने कहा है। "क्योंकि आकाश और पृथ्वी टल जाएंगे, परन्तु मेरा वचन कभी ना टलेगा।" परमेश्वर के अनन्त वचन की मांग यह है कि मनुष्य को फिर से जन्म लेगा होगा। इसमें कोई भी चीज कम है, तो वे अनंत विनाश में हैं। कोई मतलब नहीं आप किस कलीसिया से सम्बन्धित हैं, या आपका नाम कहां पर है, या आपने क्या किया है; यह नष्ट है। परमेश्वर का वचन कभी भी असफल नहीं होगा।

64 अब, इसके लिए बहुत है। और मैं आशा करता हूं कि आप आत्मा में आ गए यह दिया गया था। आप कैथोलिक के प्रिय लोगो, मैं आप लोगो को छोटा नहीं कर रहा हूं। आप लोग मेरे मित्र है। और यदि आप नहीं थे, तो क्या उद्देश्य... यदि मैं यहां आपसे लड़ने के लिए खड़ा हूं, मुझे वेदी पर जाना चाहिए और अपने हृदय को परमेश्वर के साथ ठीक करना चाहिए। मैं यहां दुःखी हृदय के साथ खड़ा हूं, यह कहना पड़ रहा है; परन्तु आत्मा, वचन के अनुसार, जो मुझे कहने के लिए विवश कर रहा है, और लोगो को चेतावनी देने के लिए जिनकी देखभाल के लिए पवित्र आत्मा ने ठहराया है।

65 वास्तव में बाईबल का समस्त राष्ट्र में उपहास उड़ाने के ये बड़े–बड़े कार्यक्रमों को देखकर, जो कहते है कि, "यह एक मिट्टी के कीचड़ के समान है जिसमें होकर आप चलते हैं। इससे कोई जीवित नही रह सकता।" यह ठीक है, जहां तक शरीर का संबंध है।

66 परन्तु पवित्र आत्मा वह है जो एक व्यक्ति पर प्रभुता करता है और उसकी अगुवाई करता है। होने पाए कि प्रभु इसके अनुवाद को आपको देखने दे।

67 परमेश्वर का वचन पहले, और अन्त में है, और अनंत, सदा तक है।

परमेश्वर एक बार वचन को बोलता है, यह कभी नहीं बदल सकता है। परमेश्वर ने पृथ्वी के रचने से पहले, कहा, "आदि में वचन था।" और "वचन" क्या है? यह विचार का प्रगटीकरण है। वह पिता, परमेश्वर ने, छुटकारे की योजना को देखते हुए, उसने इसे देखा, और देखा कि शैतान ने क्या किया था। और उसने सोचा, और उसने केवल एक ही योजना देखी; इस समय यह केवल विचार था। परन्तु जब उसने इसे प्रगट किया, तो यह एक वचन हो गया। और एक समय वचन, यह कभी नहीं मर सकता; इसे अनंत होना ही है। क्योंकि उसका वचन असफल नहीं हो सकता वैसे ही वो असफल नहीं हो सकता। उसका वचन जैसे वह जीवन रहित नहीं हो सकता, वैसे ही यह भी जीवन रहित नही हो सकता। उसका वचन! पुराने लोगो ने युगों से होते हुए, इस बाईबल को पढ़ा। ये प्रेरणा युक्त भक्त मण्डलियाँ थी जब से यह लिखा गया था।

68 मैं आपको एक पत्र लिखूंगा, आप इसकी सराहना कर सकते हैं, कहते हुए, "भाई ब्रन्हम, मैं आपके पत्र की सराहना करता हूं।" आप ही केवल एक ऐसे व्यक्ति है जिसे निर्दिष्ट किया गया था। इसके पश्चात कुछ समय बीतने पर, वह पत्र बेकार हो गया, जब तक कि वह मेरे लिए प्रमाण या मेरे विरोध में एक प्रमाण था।

69 परन्तु परमेश्वर एक बार बोला तो, यह समस्त मनुष्य जाति के लिए है। और आज रात्री भी वैसे ही ताजा है, जैसे जिस समय यह बोला गया था। परमेश्वर ने बोला और कहा, "मसीह संसार की सृष्टी से पहले घात किया गया मेमना था।" जब परमेश्वर ने अपनी योजना सोची और उसका मस्तिष्क, और यह बोला, मसीह वहीं पर बलिदान हुआ था, यधपि वास्तव में वह चार हजार वर्षों बाद तक घात नहीं हुआ था। और वहां परमेश्वर ने अपने पूर्वज्ञान में होते हुए, देख लिया कि कौन बचाया जाएगा और कौन नहीं बचाया जायेगा। और वहां हमारे नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में लिखे हुए थे, पृथ्वी की नींव डालने पर, और घात किए गए मेमने के साथ जुड़े हुए थे।

70 और बाईबल ने कहा, कि अंत के दिनों में... सुनिए! "और मसीह विरोधी ने उन को भरमा दिया जो पृथ्वी पर रहने वाले थे, जिनके नाम मेमने की जीवन की पुस्तक में लिखे नही गए थे पृथ्वी की नींव डालने से लेकर।" वचन के साथ बने रहे!

71 अब, मैंने अपने भाइयों के मध्य में देखा है, और मैं यह प्रोटेस्टेंटों से आदरपूर्वक कहता हूं, ना कि घृणा के साथ, ना ही जलन के साथ, कुछ कहने के लिए नही। किसी बात को कहना अधिक सरल होगा। परन्तु, मैं यह जानता हूं...

72 और बाईबल कहती है, "पहरेदार, रात्री का कौन सा पहर है? " और यदि पहरेदार देखता है कि शत्रु आ रहा है, और लोगों को चेतावनी देने में असफल रहे, परमेश्वर ने कहा कि वह उनके लहू का उत्तरदायी पहरेदार को ठहरायेगा। परन्तु यदि पहरेदार उन्हें चेता दे, तो फिर पहरेदार स्वंतत्र है।

73 इसलिए, मुझे अवश्य ही चेतावनी को देना है। और हमारे प्रोटेस्टेंट भाइयों के मध्य में, मैंने ध्यान दिया, बहुत सी बार, इस प्रात: मेरे संदेश के पश्चात, नई आत्मा पर, और फिर परमेश्वर का आत्मा... आज प्रात: यहां पर कितने लोग थे? तो ठीक है। नई आत्मा में, और परमेश्वर के आत्मा में। बहुत सारे नई आत्मा में, बिना परमेश्वर के आत्मा के है। मैं चाहता हूं कि आप इसे समझ जाए।

74 आज, हम प्रोटेस्टेंट लोगों के मध्य में एक बड़े भ्रम को पाते है। और जब मैं उनके आराधनालयो में जाता हूं, तो कभी–कभी बहुत ही परेशान पाता हूं। और कृपया इस भाव को क्षमा करें। परन्तु, जैसा कि पवित्र आत्मा... जैसे, मैं कुछ समय पहले अपनी पत्नी से बातें कर रहा था। जब मैंने देखा रिश्ते का मेरा भाई वहां लेटा था, दोनों एक दूसरे को आमने सामने देख रहे थे, जैसे कि उनका जीवन ले लिया गया था। एक हाथ में मोती की माला के साथ, एक कैथोलिक के समान। और दूसरा एक, एक बैपटिस्ट, दूसरी ओर। दोनों, मेरे रिश्ते के भाई। और मैंने उनकी ओर देखा। मैंने सोचा, "ओह महान परमेश्वर, यह बातें कैसे हो सकती हैं? क्या मैं असफल हो गया? क्या वहां पर कुछ था? "

75 मैंने पत्नी से कहा, मैंने कहा, "बहुत सी चीजे मैं नहीं जानता, परन्तु कुछ है जो मैं जानता हूं।" मैंने कहा, "जब से मैं एक छोटा लड़का था, मैंने शरद ऋतु में पेड़ो के जीवन रस को देखा, वर्ष के जाते हुए, उस पेड़ में से नीचे की ओर चला जाता है, और जड़ों में स्वयं को छिपाने के लिए चला जाता है, और जाड़े में स्वयं को गर्म रखता है। मैंने इसे अलौकिक रूप में देखा है, वसंत ऋतु में, वापस आता है, अपने साथ पत्तियों को ले

आता है, और फल को। मैंने गर्मियों में फूल को, उसकी सुंदरता में देखा है, कोहरे में जाड़े में, अपने सिर को झुकाये रहता है, और मर जाता है; और बीज नष्ट हो जाते हैं, और गूदा नष्ट हो जाता है। और तब मैंने वर्ष के वसंत में देखा है, कि फूल फिर उठता है।" मैंने कहा, "मैं विश्वास करता हूं। मैं जानता हूं कि वे यह करते हैं। मैं विश्वास करता हूं मैं जानता हूं वे यह करते है मैं विश्वास करता हूं वह जो यहोवा परमेश्वर कहलाता है, मैं विश्वास करता हूं यहोवा परमेश्वर यह करता है। वह प्रकृति को चलाता है। मैंने उस पर ध्यान दिया है, चीड़ के पेड़ के साथ, पपीते के पेड़ के साथ, या भोज वृक्ष के साथ, सेब के पेड़ के साथ, और प्रत्येक एक दूसरे से भिन्न है। और कैसे वह मनुष्य, एक प्रकार से और दूसरी प्रकार से बनाया गया है, सब सर्वोत्तम बुद्धी से के द्वारा तैयार किये गये है, वह परमेश्वर था।" मैंने कहा, "मैं यह जानता हूं।"

76 मैं विश्वास करता हूं कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है। मैं विश्वास करता हूं कि अपने शरीर में, वह एक मनुष्य था। वह एक स्त्री से उत्पन्न हुआ, जैसे की मैं था, परन्तु उसका लहू एक स्त्री का नहीं था; वह परमेश्वर का था। और यहोवा परमेश्वर, लोगोस, जो धरती पर मंडराया, (आज प्रात: के मेरे संदेश में लिया था), और और पहले मनुष्य को धरती की मिट्टी से बनाया; मरियम पर छाया की, और उस पर मंडराया कि अपने वचन को पूरा करे, और लहू कोशिका की सृष्टी की जिससे परमेश्वर का पुत्र लाया गया। मैं विश्वास करता हूं, कि शरीर में वह एक मनुष्य था। मैं उसके प्राण में विश्वास करता हूं, वह परमेश्वर था। वह प्रगट हुआ परमेश्वर पृथ्वी पर था। "परमेश्वर मसीह में था, (वो) स्वयं में संसार को मिला रहा था।" मैं विश्वास करता हूं कि वह केवल एक साधारण मनुष्य नहीं था, ना ही वह एक भविष्यव्यक्ता था। वह परमेश्वर था, इम्मेनुएल। मैं अपने सम्पूर्ण ह्रदय से विश्वास करता हूं, कि यह सत्य है। मैं इस सत्य को प्रमाणित नहीं कर सकता, क्योंकि... यदि मैं कर सकता होता, तो यह विश्वास से नहीं होता। परन्तु मैं विश्वास करता हूं कि पेड़ आते हैं और जाते हैं। मैं जानता हूं कि फूल आते और जाते हैं। मैं जानता हूं सारी सृष्टी घूमती है। संसार अपनी परिक्रमा में स्थिर है, किसी महान सर्वोच्च सामर्थ के द्वारा।

77 और दूसरी चीज जो मैं जानता हूं, कि, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, कुछ है जो मेरे पास आता है, स्वर्गदूत के रूप में, एक ज्योति। और वह मुझे बातें बताता है, कि क्या घटित होने जा रहा है, और मैं इसे देखता हूं।

मैं जानता हूं कि यह स्वाभाविक नहीं है। वह मुझे आने वाले वर्षो की बाते बताता है, कभी भी एक बार भी असफल नहीं हुआ। मैं विश्वास करता हूं कि यह वही परमेश्वर है जो यूसुफ के साथ था, जो दानिय्येल के साथ था, जो एलिय्याह के संग था। मैं विश्वास करता हूं कि यह वही पवित्र आत्मा है जो इस्राएल के बालको को अग्नी के स्तंभ के द्वारा मार्ग दर्शन करके ले गया।

78 इसलिए, मैं संतुष्ट हूं कि वहां कुछ तो है, कि बाईबल सही है, क्योंकि हर एक सृष्टी, हर एक चीज जिसे मैं विश्वास कहता हूं, हर चीज जिसे मैं देखता हूं, जिसे मैं सिद्ध नहीं कर सकता, इस बाईबल के द्वारा सिद्ध होती है कि यह सत्य है।

79 मैं यीशु को देखता हूं। वह वो नहीं था जिसे यहूदी जो सोचा करते थे। उसने—उसने हर बात को पूरा किया जो मसीहा होने के लिए थी। वह मसीहा था।

80 और मैं देखता हूं उन लोगो पर आत्मा था, देखिये वह यहाँ आता है उन्ही कार्यो को करता है। इसलिए, मैं जीवित परमेश्वर के वचन का दृढ़ विश्वासी हूं, कोई मतलब नहीं कितनी भी बेतुकी बातें उठे।

81 मैं कलीसियाओ में गया हूं। और अब मैं यह आदर भाव से कहता हूं। मैंने कलीसियाओ में बहुत बार पाया है, मैं विश्वास करता हूं कि कलीसिया में लोग एक दूसरे की आत्मा ले लेते है बजाये पवित्र आत्मा के। आप कलीसिया में जाये और देखे जहाँ पर पास्टर हो सकता है उसके सिर को हिलाये; सारी कलिसिया वही करेगी। आप कलीसिया में जाये जहां पास्टर कहता है कि उसके हाथो में से तेल निकल रहा है; पहली बात आप देखते है, सारा झुण्ड इसका विश्वास करता है, और यह उनके पास है। ऐसी कलीसिया में जाये जहां बहुत नाचना और कूदना और यहाँ–वहां भागना होता हो। मैं इन बातों को दोषी नहीं ठहरा रहा हूं; मैंने जो देखा है उस—उस आधार पर बोल रहा हूं, जो कि आपके सामने एक—एक विषय को रख रहा हूं। यदि आपका ऐसा पास्टर है जो बहुत ही भावुक है, तो सारी भक्त मण्डली भावुक हो जाएगी। आपके पास ऐसा पास्टर है जो औपचारिक और रुखा हो, और सारी की सारी मण्डली औपचारिक और रुखी होगी। मैं विश्वास करता हूं कि आप एक दूसरे की आत्मा को ग्रहण करते हैं।

82 एक भले मनुष्य और एक बुरी स्त्री को ले, और उन्हें एक साथ रखे,

एक उस दूसरे पर जाएगा। ये या तो वो मनुष्य बुरा हो जाएगा, या एक भली स्त्री। आप... "जब तक दो जन आपस में सहमत ना हो, वे एक साथ नहीं चल सकते।"

83 और मैं यह आदरपूर्वक कह सकता हूं और बाईबल में। अपने सम्पूर्ण ह्रदय से, मैंने जो मुझ में है उससे पूरा यत्न किया है कि कभी भी झगड़ालू ना बनू। क्योंकि, वह दर्शन, जिस प्रात: मैंने कोने का पत्थर रखा था, कहा, "वचन का प्रचार कर। एक सुसमाचार फैलाने वाले का कार्य कर। अपनी सेवकाई को सिद्ध कर दे। क्योंकि ऐसा समय आयेगा जब वह सही शिक्षा को नही मानेगे; परन्तु वे अपनी कानो को खुजली के कारण बहुत सारे प्रचारक इकट्ठा कर लेंगे, और सत्य से फिरकर कथा कहनियों पर मन लगायेगे।"

84 सत्य क्या है? "तेरा वचन सत्य है।" यूहन्ना 17, "पिता, उन्हें सत्य से पवित्र कर; तेरा वचन सत्य है।" अब...

85 और यदि मैं दोषी हूं, तो मैं परमेश्वर से प्रार्थना करता हूं कि मुझे क्षमा करें। परन्तु मैं अपने पूरे ह्रदय से लोगों के सामने उस—उस वचन को रखना चाहता हूं, ताकि वह आत्मा उतरे, जब मैं न्याय में खड़ा होऊं, तो कोई अजीब सी मेंढकों की आत्मा जो लोगों में से कूद कर आती हैं, या कीड़े उड़ने वाले, या ऐसे ही कुछ, या तेल जो हाथों से टपक रहा हो ना होऊं; परन्तु जीविते परमेश्वर के वचन की आत्मा, जो इस बाईबल में लिखी है, एक बाईबल के अनुभव के साथ। इसी के लिए मैंने बहुत यत्न किया है।

86 अब, अपने कुछ विचार को बाईबल के चरित्रो पर आधारित करते हुए। आज रात्री एक लेते है, ताकि अपने विचारों को एक साथ करके, उन्हें साथ–साथ मिला कर और उन्हें आपके सामने उपस्थित करूं; तब आप उससे जो चाहे वही करे, जो परमेश्वर आपके ह्रदय पर रखे।

87 आइए पहला राजा 22वां अध्याय में वापस जाये, और हम इसे पाएंगे, कि एक मनुष्य था, आहाब नाम का एक राजा। और वह शक्तिशाली राजा और योद्धा था, और एक महान पुरुष था; परन्तु गुनगुना, किनारे का विश्वासी। उसका नाम आहाब था।

88 अंत:, भविष्यव्यक्ता एलिय्याह, जो कि प्रमाणित भविष्यवक्ता था, जिसने आहाब के नष्ट होने की घोषणा की। एलिय्याह के वर्षों बीतने के पश्चात, वहां एक मिकायाह नाम का भविष्यव्यक्ता था। इसलिए, यहोशापात,

उसका पिता, एक धर्मी पुरुष था, जो कि यहूदा का राजा था, आहाब से मिलने के लिए आया इस्राईल के राजा से।

89 और आहाब का वैभव भरा राज्य था। अब उस वैभव के महान राज्य पर ध्यान दे! क्योंकि उसकी एक रंगी पुती पत्नी थी, जिसका नाम इजाबेल थी, और उसने अपने राष्ट्र की मुर्तो के लिए सारे राज्य को फुसला दिया था, सिवाये चुने हुओ के।

90 भाइयो क्या आप लोग, ओह, क्या आप उसी आत्मा को आज सारे अमेरिका में कार्य करते हुए देख सकते है, वे छोटी–छोटी इजाबेल, परमेश्वर के पुत्रों को बहकाने वाली आत्मा, मसीह से अलग करने वाली? मैं यह मजाक में नही कह रहा हूं। यह मजाक करने का स्थान नहीं है। यह प्रचार मंच है। यह परमेश्वर का न्याय सिहांसन है; और परमेश्वर का वचन न्यायी है। या, वह... यह उसका न्याय है, यह वचन है।

91 अब ध्यान दें कि कैसे यह छोटी महिला, जो छोटी प्यारी सी होनी चाहिए, परन्तु उसने पूरी तरह से राष्ट्र शासन कर लिया था।

92 और आज हम किसके द्वारा शासित हैं? स्मरण रखिए, मैंने यह पूर्व अनुमान बताया है, कि अमेरिका एक स्त्री–प्रेमी है। यह स्त्री का उपासक है। अमेरिका में आत्मा, पीरी तरह से स्त्रियों की शासित है। यह छोटी महिलाये हॉलीवुड पर आ सकती है, वे सड़क पर जा सकती है और सब कुल मिलाकर शराब खानों से अधिक लोगो को नरक में भेज सकती हैं, आप एक साथ मिलाकर झुनझुना सकते हैं।

93 और, फिर भी, उसकी सही स्थिति में, वह पुरुष के हृदय के लिए जेवर है, और परमेश्वर के राज्य के लिए आशीष है। आप यह देखते हैं?

94 अब थोड़ी देर के लिए ध्यान दे। और, नहीं, पूर्वधारणा से नही; बस शांत बैठे कर सुने। पवित्र आत्मा इसे आपको बताये। अब, आज, हम उस स्थिति में है जैसे आहाब के समय में था। स्त्री ने जो भी कुछ कहा, वही आहाब ने किया। अब, यहां तक कि कलीसियाओं में भी, वे स्त्रियों की आराधना करते हैं।

95 अधिक समय नहीं हुआ, मेरी धार्मिकता का रोष बढ़ गया। मेक्सिको में, जब मैंने बेचारी छोटी महिला को देखा, बल्की उसके विषय में मालूम हुआ, वह मीलों दूर से गर्म पत्थरों पर चलती हुयी आयी। और जैसे पिता छोटी बालिका को अपने हाथो में उठा कर साथ–साथ चलता है, दो में

से एक अपनी माता के साथ–साथ चल रही है। और वह, चिल्लाती, और अपने कपड़े को पैरो पर से ऊपर समेटते हुए, और उसका हाथ पत्थरों में से होकर जोर से खींचते हुए, और रोते हुए। और सब उस महिला की ओर देख रहे है। वह किसी मरणोंपरान्त किसी महिला की कि मूरत तक पहुंचती है, जिसे संत समझा जाता है। और मैं यह आलोचनात्मक होकर नहीं कह रहा हूं। मैं यह परमेश्वर के वचन की ज्योति में कह रहा हूं। यह पूर्णत: शुद्ध प्रेत्मावाद है।

96 बाईबल ने कहा, "कोई भी मध्यस्ठता नहीं है, कोई भी बिचवाई करने वाला नहीं है, परमेश्वर और मनुष्य के मध्य में, सिवाये मनुष्य मसीह यीशु के।"

97 यदि आरम्भिक कलीसिया कैथोलिक थी, तो फिर वे क्यों बदल गए; जब आरम्भ के कैथोलिक कलीसिया ने इसे दोषी ठहराया, और यह कैथोलिक इसे स्वीकार करते है? "यह स्त्रियों का संसार है।" आज की आत्मा और नारे। और यह सत्य है। यह बिल्कुल ठीक है।

98 और मेरा पूर्वानुमान है कि स्त्री एक बड़ी स्त्री होगी। आप जो आज रात्री यहां युवा लोग है, स्मरण रखना कि भाई ब्रन्हम ने यह कहा था। और मैंने यह 33 में कहा, जब मैंने प्रभु का आगमन देखा। और किस तरह से वे मोटर वाहन निरंतर एक अंडे के समान आकार लेते रहेंगे, जब तक कि वे अंत: पूर्णत: अंडाकार नहीं हो जाते। सम्भव है आप में से कुछ यह जानते है; यह पुराने कागज पर लिखा हुआ है और आदि–आदि। उस प्रात: जब हम यह छोटे मेसोनिक के मंदिर पर थे जहां हमारे पास... या यहाँ पर जो अनाथालय है, वहां अगली, दूसरी गली में—में, जहाँ पर हमारी सभा हुयी थी। और मैंने देखा एक स्त्री उठी है, अश्लील जैसे कि वह थी, और राष्ट्र पर शासन किया। और मैंने पूर्वानुमान से बताया या तो वह स्त्री राष्ट्रपति है, या तो, या किसी प्रकार से सयुक्त राज्य में बड़ी सामर्थ के साथ है, इसके पहले कि संसार पूरी रीति से नष्ट हो जाये। इसे अपने मस्तिष्क में रखें। मैंने यह कहा है।

99 अब ध्यान दें कि क्या घटित होता है। इजाबेल, उसने आहाब पर राज्य किया। उसने उसे चारों ओर से बंद कर लिया। वह ऐसा हुआ करता था, बेचारा पिता... या, माँ बालको के साथ घर में होती है, जबकि पति पीए हुए बाहर होता है। यह बेचारा बाप बालको की देख रेख कर रहा है, जबकि

स्त्री पी कर बाहर है। अब यह मजाक नहीं है। यह सत्य है। मैं धर्मी लोगों के विषय में नहीं कह रहा हूं। नहीं, श्रीमान। मैं केवल उस आत्मा को दर्शा रहा हूं जो संसार में है।

100 अब ध्यान दें। क्या यह दूसरा सम्मोहक नहीं है... आहाब के समय को देखे, राष्ट्र कैसे वैभवशाली था। ओह, प्रभु! उस समय सुनहरा युग था। इस्राएल आहाब के समय कैसे फला–फूला, वह ढोंगी, और वास्तव में पीछे से इजाबेल शासन करने वाली थी! और यह एक... आप जो बाईबल के विद्वान लोग है। जैसे आहाब ने इजाबेल से विवाह किया और यहूदा में मूर्तीपूजा लेकर आया, उस अंधकार युग में, इसी प्रकार से प्रोटेस्टेंन्टो ने कैथोलिकवाद से विवाह किया, और पागानवाद को फिर से मसीहत के अन्दर ले आये।

101 याद रहे, आज प्रोटेस्टेंट कलीसिया एक व्यभिचारणी कहलायी, क्योंकि वह वैश्या भी कहलायी। इसे स्मरण रखें। इसलिए तवा कढ़ाई को काला कहकर नहीं बुला सकता। आप आग में से कूद कर तलने... तलने के बर्तन से, आग के अंदर नहीं कूद सकते, अपनी खुद की सहायता करने के लिए।

102 परन्तु, आइये हम सत्य पर ध्यान दें। सत्य वह है जो हम चाहते हैं। हम अनंतता से बंधे हुए लोग हैं, और हमें परमेश्वर से मिलना है। और आइये सत्य को ढूंढे।

103 यदि आप चाहते है तो मैं चाहता हूं कि आप ध्यान दें। ऐसा हुआ... सदा, परमेश्वर ने भेजा... या, पहली बात, यहोशापात, धर्मी व्यक्ति, आहाब से मिलने आया, तो उसने स्वयं को संकट में फंसा लिया।

104 आप सही और गलत को एक साथ नहीं मिला सकते, और उसमें से कुछ निकाल ले। आप तेल को पानी के साथ नहीं मिला सकते; यह नहीं मिलेगा। ना ही आप, अपना सम्बन्ध और अपनी मान्यता, संसार की वस्तुओं के साथ रख सकते है, और फिर भी जयवन्त जीवन जीये। बाईबल ने कहा, "उनमें से बाहर निकलो, और तुम अलग रहो, प्रभु यह कहता है।" अब, समझे?

परन्तु... आप कहते हैं, "अच्छा, भाई ब्रन्हम, मैं—मैं जानता हूं।"

105 परन्तु, आप अपनी बुद्धीमानी को ले रहे हैं; यह वचन के विरुद्ध है। और वचन सत्य है। मैं वचन पर विश्वास करता हूं।

106 अब ध्यान दे, यहोशापात आहाब के पास आया, और, ओह, उसने एक महान उत्सव किया। निश्चय ही। हम आज की सड़क छाप भाषा में कहते है, "एक धमाका किया।" और उन्होंने सबको नेवता दिया। उन्होंने बैल, और भेड़े इत्यादि मारी। और उनके यहां भारी उत्सव था।

और यही है जब एक विश्वासी परेशानी में फंसता है।

107 "ओह, मैं आपको बताता हूं, आप बस संकीर्ण विचार के हैं, वह छोटा पवित्र स्थान। बस यही। आपको बड़े आराधनालय में आना चाहिए। आपको आना चाहिए। देखिए, आपको चाहिए! हमारे पास्टर डी.डी., डी.डी., पीएच.डी है।" आप देखिए, "हमारा—हमारा पास्टर! हमारी गायन मण्डली स्वर्गदूतो के समान गाती है।" इसका इस बात से कोई मतलब नहीं, यदि यह **यहोवा यों कहता है** के विरुद्ध है। अब, वो...

108 और जब उन्होंने बैल मारे, और एक बड़ा उत्सव किया था, आहाब का एक दूसरा उद्देश्य था। और उसका उद्देश्य गलत था। वह एक महान उत्सव करना चाहता था, यहोशापात को फंसाना चाहता था।

109 और आज भी शैतान वही करने का यत्न कर रहा है। "तो ठीक है, हम बहुसख्यक हैं।" निश्चय ही।

110 परमेश्वर की कलीसिया सदा अल्प संख्यक रही है, जब तक यीशु नहीं आता। "छोटे झुंड तू मत डर, यह तेरे पिता की इच्छा है कि राज्य तुझे दे।" यह ठीक बात है। हम अल्पसंख्यक है, परंतु यह ठीक है। जब तक परमेश्वर वहां पर है, मेरे लिए यह अब बहुसख्यक है; और मैं जानता हूं, यह आपके लिए है। क्योंकि, "यदि परमेश्वर आपके साथ है, तो आपके विरुद्ध कौन हो सकता है? "

111 अब, परन्तु, इसके पीछे उसका—उसका एक उद्देश्य था। और जब उसने किया, उसने कहा, "अब हम सब यहाँ कैसे एकत्र हुए हैं और इतना महान समय बीता रहे हैं! क्या आप लोग मेरे संग रामोत गिलोद को युद्ध लिए जायेंगे? क्योंकि, वास्तव में, अरामी लोग वहां है, परन्तु रामोत–गिलाद मेरा है। यह सही बात है। हमारा अधिकार है। हम पहली कलीसिया है। हमारा अधिकार है।" आपने इसे देखा?

112 और यहोशोपात ने कहा, "क्योंकि, हमारा एक अच्छा समय रहा है," कहा, "मेरे लोग तेरे लोगों के समान हैं। जो भी है, हम सब विश्वासी है,

इसलिए हम एक साथ मिल जाये।" उसने गम्भीर गलती को किया। उसने किया। और यहोशापात, काफी आत्मिक होते हुए...

113 जैसे कि मैं अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करता हूं, कि यह आज के दिन की प्रतिछाया है। निश्चय ही, कहीं तो, कैसे भी, परमेश्वर सच्चे ह्रदय को सन्देश देगा। उसने आरम्भ में कहा, वह करेगा, इसलिए उसकी योजना लागू है। होने दे... [टेप पर खाली स्थान।] उसके साथ हो जाये।

114 अब उस पर ध्यान दे। उसने कहा, "निश्चय ही, मैं तेरे संग जाऊंगा। परन्तु," उसने कहा, "एक मिनट रुक। मैं विश्वास करता हूं, कि इसके पहले, हम जाये हमे प्रभु से पूछना चाहिए। क्या आप ऐसा नहीं सोचते? यदि हम सब विश्वासी है, तो फिर हम प्रभु से पूछे।"

115 "अच्छा," ठीक है आहाब ने कहा, "निश्चय ही, यह ठीक बात है। ओह, मैंने क्यों नहीं इस पर सोचा? निश्चय ही। मुझे भी हर समय यही सोचना चाहिए।" कहा, "मेरे पास यहां इस देश में चार सौ सबसे अच्छे भविष्यवक्ता हैं। मैंने उन सब को अच्छे कपड़े पहनाए हैं। उन सब के पास डी.डी.डी. है, पीएच.डी. है, और सारी चीजे है। यहां उनकी एक महान संस्था है, भविष्यवक्ताओं की, इसलिए मैं उन सब को यहां पर लाऊंगा और हम देखेंगे कि वे क्या कहते हैं।"

116 आप जानते हैं, यह बात यहोशापात को बिल्कुल ठीक प्रतीत नहीं हुयी। ठीक नही...

117 इसलिए वे जाकर और उन्हें ले आये, सारे के सारे चार सौ भविष्यद्वक्ता, बढ़िया खाते–पीते, अच्छी पोशाक पहने हुए। आहाब ने उन्हें अपने खर्चे से खिलाया, क्योंकि उसने उनसे ठीक वही करवाया जो उसने करने को कहा।

118 आप उसी स्थान पर है। ठीक वही आप है। ओह, निश्चय ही, "हमारे पास यहां शानदार आराधनालय है, बड़े–बड़े महान स्थान।" परन्तु, बहुत सी बार, यदि प्रचारक बीस मिनट से अधिक प्रचार करता है, तो डिकन बोर्ड उसे बाहर निकाल कर खड़ा कर देता है। परन्तु, आपके ह्रदय को आशीष मिले, परमेश्वर का जन उस अर्थहीन बात को नहीं सुनेगा। ठीक है। यदि वह पाप पर अधिक जोर देगा, तो, सारी भक्त मण्डली उसे वोट देकर बाहर कर देगी; परन्तु यह क्योंकि वह एक नामधारी संस्था में है। परन्तु परमेश्वर की कलीसिया में, आप ना तो वोट से भीतर आये या बाहर किए गए है।

आपने इसमें जन्म लिया है, एक बार, अनंत, सदा के लिए। केवल परमेश्वर आपको बाहर कर सकता है; और उसने अपनी शपथ खाई, कि वह यह कभी नहीं करेगा। आमीन। इसके पहले कि वह आपको भीतर लेता, वह जानता है कि आप किस चीज के बने हैं। वह अपना कार्य संस्थाओं के समान ढीला–ढाला नहीं चलाता, कि उन्हें तीस—तीस दिनो, या साठ दिनो, या नब्बे दिनो के लिए, परख–अवधि में रखते है। वह उन्हें पहले से जानता है वे क्या है इसके पहले वे कभी बोले, इससे पहले कि वे कभी कलीसिया में आये। वह ठीक–ठीक जानता है कि वे कैसे बने हैं। यही कारण है फिर से जन्म लेना ही है।

119 अब, जब वह उन सब को वहां ले आता है, और वह अपने सिंहासन पर आ जाता है, और दूसरा अपने सिंहासन पर आता है, और वे वहां बैठते हैं। और कहा, "सारे प्रचारकों और भविष्यद्वक्ताओं को बुला लाओ।" और वे सब आये, और अपनी युक्तियां चलाई। और उनके पास एक अच्छा समय था, ठीक है।

120 उसने कहा, "अब, क्या वे अच्छे नहीं दिखाई पड़ते है? वह भाषा जो वे बोल रहे है उसे सुनिए।" ओह, प्रभु! आप देखिए कितनी भली प्रकार वे बोल सकते है! ओह, "आह्–मनुष्य," और यह सारी युक्तियां जो इन्होने की है। और वे सब गडबडा गए है। जो भी इनके पास था।

121 इसलिए, जब पहली बात आप जानते हैं, उसने कहा, "जाओ! प्रभु कहता है, 'जाओ चढ़ जाओ!'"

122 उसने कहा, "अब तुमने देखा, यहोशापात? देखो, आखिर तो मैं सही था।"

123 क्यों? उन्हें मालूम हैं कि क्या कहना है। वे भली प्रकार जानते हैं क्या कहना है, या उन्होंने अपने विश्वास पत्र खो दिए है। ओह, हाँ, श्रीमान। जिला के लोग आये, और प्रांत के पुरोहित, और, मेरा अर्थ उन्हें तुरन्त ही, बाहर निकाल दिया गया, यदि उन्होंने अच्छी बाते नही कही उसके विषय में जो—जो उन्हें खिलाता है। क्योंकि, जो भी है वे कुल मिलाकर, उस भोज्य पदार्थ को जानते है।

124 मैं आनन्दित हूं कि एक छिदा हुआ हाथ था, जो परमेश्वर की कलीसिया को खिलाता है।

125 ध्यान दें। तब मैंने उन सारी भविष्यवाणियो को देखा, "ओह, हाँ, राजा! **यहोवा यों कहता है**, 'जाओ चढ़ जाओ!'" और अब, अनोखी बात यह है, वे वास्तव में प्रेरणा के नीचे थे।

126 परंतु अब ध्यान दे। परन्तु इस प्रकार की प्रेरणा परमेश्वर के जन पर प्रभाव नही डालती, यहोशापात। उसने कहा, "एक मिनट रुकिए। मैं विश्वास करता हूं कि मैंने यहां गलती की है। कुछ तो गड़बड़ है। मुझे इन लोगो के साथ मेल मिलाप नहीं करना चाहिए।" समझे? बैल अपने मालिक के खूटे को जानता है। समझे? वहां... उसने कहा, "ओह, ओह, मुझे क्षमा करें, श्रीमान् राजा आहाब, परन्तु, ओह, क्या आपके पास एक और भविष्यवक्ता नहीं है? "

127 क्यों, आहाब कहेगा, "अच्छा, देखिए चार सौ, एक मत, और हमारे सबसे अधिक ज्ञानी लोग है, और यहां सब एक मत हैं, कहा कि, '*यह* परमेश्वर की इच्छा है! *यह* परमेश्वर की इच्छा है!'"

128 उसने कहा, "यह ठीक नही जान पड़ता, पता नहीं क्यों," उसके ह्रदय की गहराई में। आमीन। ओह, क्या आप तैयार है? यहाँ यह है। वह जान गया कि यह परमेश्वर के वचन जैसा प्रतीत नहीं होता। उसने कहा, "क्या कोई और नहीं है? "

129 अब सुनिए। आहाब ने कहा, "हां, हमारे पास एक पवित्र शोर करने वाला है। एक है मिकायाह नाम का। परन्तु, मैं आपको बताता हूं, कि मैं उससे घृणा करता हूं।" ओह, हाँ! "हमारे यहां एक और है, परन्तु वह हमारी संस्था से संबंधित नहीं है। उन्होंने उसे बहुत पहले बाहर निकाल दिया था। वह वहीं कहीं पहाड़ पर है। उसका नाम मिकायाह है।"

130 यहोशापात ने कहा, "मैं थोड़ा उसे सुनना चाहता हूं कि वह क्या कहता है।" आमीन। देखा आपने? आज का प्रतिक। "क्या कोई और नहीं है? "

131 उसने कहा, "हां। परन्तु, ओह, वह एक हठधर्मी है! वह मेरे लिए हमेशा बुरी बातें कहता है।" वह कुछ और कैसे कह सकता है, जबकि परमेश्वर के वचन ने उसके विषय में बुरी बातें कही है! "क्यों, यहां तक कि वह हमारी संस्था को दोषी ठहराता है। क्यों, वह एक कलीसिया तोड़ने वाला है। इसके लिए यही सब कुछ है।। ठीक है, भविष्यवक्ताओं ने उसे लेकर स्नातक की उपाधी देने का यत्न किया, परन्तु, ओह, वह स्थिर नहीं रहेगा। उसने वही पैरो की उठा पटक मचा दी। वह बस एक पुराना हठधर्मी है।" समझे?

132 यहोशापात के पास उसके अपने लिए पर्याप्त परमेश्वर का आत्मा था, अपने पिता से, उसने कहा, "मैं उसे सुनना चाहूंगा। जाकर उसे ले आओ।"

133 "अच्छा, मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं। मैं आपको चेतावनी दे रहा हूं। वह लार टपकाता और बाकी की हर चीज करता है। जो सम्मान दूसरो के पास है उसके पास नही है।"

"मैं उसे सुनना चाहता हूं।"

"मेरी भेड़ मेरी आवाज सुनती है। वह अपरिचित के पीछे नहीं जाती।"

134 ऐसा हुआ कि यहोशापात परमेश्वर के मेमने में से एक था। उसने कहा, "ठीक नहीं जान पड़ता।" यह ठीक सा... इसमें खड़खड़ाहट है, परन्तु इसमें गूंज नहीं है। जैसे कि गूंजता हुआ पीतल और झनझनाती हुई झांझ; यह ठीक नहीं लग रहा। "जैसे गाये की सुखी खाल पर मटर गिर रहे हो," जैसे कि रॉय डेविस कहा करते थे। "यह बिल्कुल ठीक नहीं लग रहा है।"

135 उसने कहा, "मुझे इस व्यक्ति की सुनने दो जो हठधर्मी है, जैसे कि आप कहते हैं। वह एक जो आपकी संस्था का सदस्य बनेगा, और वह एक जिसके पास अपना विचार होता हैं।" क्योंकि, वह जान गया कि उस व्यक्ति के पास सत्य होना चाहिए, क्योंकि वह जान गया कि वह नहीं था।

इसलिए, उसने कहा, "मैं तब भेज कर, उसे बुलवाऊंगा।"

136 इसलिए, वे वहां पहाड़ो पर गए, और वहां नीचे पगड़ण्डी पर, जहां कहीं वह प्रचार कर रहा था, या छोटे से मिशन पर था। और यहाँ एक दौड़ता हुआ आया।

137 और जबकि वे चले गए थे, ओह, प्रभु, उनमें झल्लाहट थी! क्यों, यहां तक कि उनमें का एक सिदिकिय्याह नाम का, उसने जाकर अपने सिर पर एक सींग रखा। ओह, भाई, अभी–अभी उसे एक प्रकाशन मिला। उसके हाथों में तेल था, और बहुत कुछ। उसके अपने लिए एक अच्छा समय था। जी हां, श्रीमान। "ओह, **यहोवा यों कहता है**, हम कैसे सीरिया को उसके देश में पीछे धकेलने जा रहे हैं, इन सींगों से!" उनके पास उसका एक अच्छा समय था।

इसलिए, हरकारा जो आया, बोला, "मीकायाह? "

कहा, "हाँ।"

"क्या तू ही इम्ला का पुत्र है? "

"हां, मैं ही हूं।"

"क्या तू ही वह भविष्यवक्ता, पवित्र शोर करने वाला, एक हठधर्मी? "

"खैर, मैं समझता हूं कि मैं ही हूं।"

"अच्छा, राजा तुझ से मिलना चाहता है।"

138 "ओह, वह चाहता है? " मिकायाह को पहले ही मालूम था, संदेह नहीं। प्रभु ने जो किया उसे बता दिया था वे वहां सब क्यों जमा है। इसलिए, वह उठा।

139 इसलिए, उसने कहा, "अब, एक मिनट रुको। इसके पहले तुम यह बेदारी आरंभ करो, मैं तुम्हे बताने जा रहा हूं कि क्या प्रचार करना है। अब, सारे प्रचारक इन बातों के विषय में प्रचार नहीं करते। तू उस घुडदौड़ के लिए कुछ मत कहना, और तू *इस* सब के विषय में भी कुछ मत कहना, और—और, *ये* या *वह*, क्योंकि, तू देख, दूसरे प्रचारक ये नहीं कहते हैं।" कहा, "तू भी वही कहना जो उन्होंने कहा।" अब, यह वही था जो आज होगा।

140 अब हम कहने जा रहे हैं जो वचन कहता है। उसने कहा, "मीकायाह, दूसरे भविष्यवक्ताओं ने हमारे राजा के विषय में अच्छी भविष्यवाणी की है। और अब, आप जानते हैं, वैसे भी वह एक सम्मानजनक व्यक्ति है," अन्यथा। "अब तुझे भी वही बात कहनी चाहिए, वे कहते हैं, और अच्छी भविष्यवाणी करते है।"

141 उसने कहा, "जैसे की मेरा जीवित परमेश्वर है, मैं केवल वही कहूंगा जो **यहोवा यों कहता है**।" आमीन। परमेश्वर हमें थोड़े से मिकायाह दे; जो वचन के साथ स्थिर रहे। हो सकता है उसके पास वे सारी वैभवताये नहीं थी जो दूसरों के पास थी। हो सकता है उसके पास वे उपाधियां नहीं थी जो दूसरे के पास थी, पीएच.डी. हो सकता है उसका कोई सामाजिक स्तर नही था। हो सकता है उसके पास वह बड़ी डी.डी. नही थी, उन लोगों के सामने। परन्तु उसके पास वचन था। आमीन। ओह, यही था। वह जानता था कि परमेश्वर उसका वचन बनाये रखेगा। इसलिए उसने कहा, "परमेश्वर ने जो मुझसे कहने को कहा है मैं वही कहूंगा, जो परमेश्वर कहता है।"

142 और यदि परमेश्वर पहले से इन आने वाले दिनों के लिए बताता है, यह इस गलत बात की भविष्यवाणी करता है, कि स्त्रियों की उपासना,

या संतो की बिचवाई, या संतो का प्रभु भोज; यदि वह इन सब अर्थहीन बातो को दोषी ठहरता है, और ये दूसरी बाते। और कहता है, "जैसे यर्नेस और यम्ब्रेस ने मूसा का सामना किया, ऐसे ही अन्त के दिनों में होगा।" मैं परमेश्वर के वचन में, बातो को दोषी ठहराता हूं और कहता हूं कि ये गलत है।

143 वचन के साथ बने रहे। मैं चिन्ता नहीं करता कि आपको कितनी अनुभूति होती हैं, और आप कितने कूद और चिल्ला सकते हैं, आप इसे कितना कर सकते हैं, *इत्यादि।* यदि परमेश्वर का आत्मा आपको शुद्ध और सिद्ध जीवन परमेश्वर के सन्मुख जीने के लिए अगुवाई नहीं करता, तो उस बात को निकम्मा ठहराओं। परमेश्वर ने आप से चाहा कि तेल बहाओ तो वह आपको जैतून का पेड़ बनाता या एक टेक्सास का तेल का कुआं। मैं आपको कुछ बता दूं, हर चीज के लिए परमेश्वर का उद्देश्य हैं। वचन के साथ बने रहे। जो बाईबल कहती है, उसके साथ बने रहे। यह परमेश्वर का ऊरीम और तुम्मीम है।

144 और बूढ़ा मिकायाह, भविष्यवक्ता, परमेश्वर के वचन के साथ बना रहा; वहां एक सिंह की नाई निर्भय होकर गया। उस रात्री प्रभु ने उसे दर्शन दिया। वह जानता था कि वह कहां पर खड़ा हुआ है। ओह, भाई! अब ध्यान दे। दूसरे को भी दर्शन मिला, परन्तु उनका दर्शन परमेश्वर के वचन से मेल नहीं खाया। परन्तु मिकायाह का परमेश्वर के वचन के संग था। क्योंकि, एलिय्याह, जिसके पास परमेश्वर का वचन, भविष्यवक्ता, भविष्य बताने वाला, उसने कह दिया था कि आहाब के साथ क्या घटित होगा। इसलिए मिकायाह और कुछ कैसे कह सकता था कैसे कुछ अच्छा हो सकता था, जब कि परमेश्वर के वचन ने कह दिया कि बुरा होने जा रहा है? इसलिए, वह वचन के साथ था।

145 भाई, कोई मतलब नही इमारत की चोटी कितनी ऊंची हो, या कितने अच्छे वस्त्रो वाले लोग जाते हैं, पास्टर के पास कितनी शिक्षा है, या इसे विषय में कोई भी बात हो, या बिशप शीन क्या कहते है, या कोई और, यदि यह वचन के विरोध में है, तो उससे अलग रहे। वचन में बने रहे। यही परमेश्वर का सच्चा दास यहीं रहता है ठीक वचन पर। यह ठीक बात है।

146 मिकायाह ने जाकर अपना दर्शन देखा। और जब उसने भविष्यवाणी की, और दर्शन देखा, उसने देखा कि यह ठीक वचन के साथ मेल खाता

है, उसके साथ ठीक–ठीक बैठता है। वह जान गया कि उसके पास **यहोवा यों कहता है** है। वहां गया।

147 और उसने कहा, "मिकायाह इम्ला का पुत्र, क्या मुझे रमोत गिलाद पर जाना चाहिए, या मैं रुका रहूं? "

मिकायाह ने कहा, "जा चला जा।"

148 कहा, "अब यह ठीक नहीं जान पड़ता।" वह भी स्वयं अच्छी प्रकार जान गया।

149 और बहुत से लोगो ने उन बड़ी–बड़ी विशेष संस्थाओ में सदस्यता ली, ताकी लोकप्रिय हो जाये। वे अन्तर को जानते हैं। जीवन की आत्मा जो संसार में कार्य करती थी, वह इस भिन्नता को बताएगी, यदि उनमें कोई जीवन की चिंगारी है। वे इन धर्मान्धताओं के पीछे जाते हैं, जो कि मेंढको के कूदने की, और कीड़े की उड़ान, और हिलना, और कूदना, और दौड़ते रहना, और सब कुछ, जब कि वे जानते हैं कि यह विरोध में है। परन्तु वे फिर भी इसके संग चलते हैं। उस उत्तेजना के कारण। कौन उत्तेजना की चिन्ता करता है?

150 मैं यहोवा यों कहता है वह चाहता हूं, यह ठीक बात है, वचन क्या कहता है। अब, मैं ह्रदय को लगने वाले धर्म में विश्वास करता हूं। मैं आनंद में विश्वास करता हूं, जो मैं जान सकता हूं। मैं पवित्र आत्मा के सामर्थ में विश्वास करता हूं। मैं दिव्य चंगाई में विश्वास करता हूं। मैं वरदानो के प्रगटीकरण में विश्वास करता हूं, परन्तु उन्हें आदरपूर्ण देह में स्थान पर होना है, वचन के ठीक तालमेल में कार्य करते हुए।

151 जब मैं एक स्थान पर जाकर प्रचार आरंभ करता हूं, और सामने वेदी पर बुलाता हूं, एक महिला खड़ी होकर और अन्य भाषा बोलती है। तो, कितना लज्जाजनक है! यह कितनी एक—एक दयनीय बात है! ये यह दर्शाता है कि उनके सेवकगण याने पास्टर परमेश्वर के वचन पर नहीं, या वह इन बातों को रोकेगा, और कहा, "आप यह ना करे।" समझे? वरदान के विरोध कुछ नहीं; यह इसका गलत प्रयोग है। समझे?

152 और बहुत सी बातें, मैं इसके लिए घंटों का समय ले सकता हूं। आप जानते हैं मैं किस विषय पर बात कर रहा हूं। यह, कुल मिलाकर, कैथोलिकवाद और प्रोटेस्टेंटवाद। परन्तु, वचन में स्थिर रहे।

153 अब, ध्यान दें। और जब उसने दर्शन देखा, उसने जाकर उसे बताया। उसने कहा, "जाओ चढ़ जाओ।"

उसने कहा, "कितनी बार मैं तुझ से अनुरोध करूं कि मुझे सत्य बता!"

154 उसने कहा, "परन्तु मैंने इस्राएल को बिना चरवाहे के तितर–बितर भेड़ों के नाई देखा है।"

155 और उसने कहा, "मैंने तुझे बताया था। मैंने बताया था। मुझे मालूम था कि वह क्या कहेगा, इसके पहले कि उसे यहां बुलाया जाता।" यह ठीक बात है। वह कुछ नहीं कह सका। उसके पास परमेश्वर का वचन था, वह और कुछ नहीं कर सका, सिवाये चीजो को दोषी ठहराने के।

156 और मैं कहता हूं, आज रात्री, इस बाईबल के उजियाले में, मैं इस अर्थहीन, उत्तेजना, धर्मान्धता को दोषी ठहराता हूं और वे बातें जो कह रही है, "परमेश्वर के वचन का, इससे कोई लेना देना नहीं है; और कलीसिया ठीक है," और वे दूसरी चीजें। मैं इसे यीशु मसीह के नाम में दोषी ठहराता हूं परमेश्वर के वचन के अधिकार से। आकाश और पृथ्वी टल जायेंगे, परंतु परमेश्वर का वचन सदा सत्य रहेगा। यह ठीक बात है।

अब, कहा, "जाओ और आक्रमण करो यदि आप चाहते हो तो।"

157 और क्या घटित हुआ? इस व्यक्ति को बहुत ही उत्तेजना थी, एक अच्छा समय बीता रहा था, वह इधर–उधर घूमा, क्योंकि वह—वह कलीसिया का प्रमुख था। वह इधर–उधर घूमा और अपने हाथ से उसके गाल पर थप्पड़ मारा, उसे मारा। ओह, मैं उसे यह कहते हुए सुन सकता हूं, "तू साधारण सा, नकली, पवित्र शोर करने वाला। परमेश्वर का आत्मा मुझे छोड़ कर कहां गया, यह तेरे पास कब पहुंच गया?"

158 उसने कहा, "तुझे मालूम मैंने क्या देखा?" उसने कहा, "जबकि तुम सबका यहाँ पर एक अच्छा समय है, और तुम्हारा बहुत ही शोरगुल यहां पर था, तो वहां उसी समय स्वर्ग में कुछ घटित हो रहा था।"

159 और मैं आपको बता रहा हूं, जब उड़ाऊ पुत्र सूअरों के बाड़े में था, और अमेरिका बुगी–वुगी और रॉक–एंड–रोल और रॉक–एंड–रोल की धुन पर नाच कर रहा था, अपने एल्विस प्रेस्ली के संग थे और वे जो "लव सूसी" के संग थे, तो इस समय स्वर्ग में एक सभा चल रही है।

160 उसने कहा, "परमेश्वर ने खिड़की खोली और मुझे देखने दिया। जब कि तुम्हारा रॉक–एंड–रोल नाच गाने का समय था, परमेश्वर ने मुझे स्वर्ग में देखने दिया, और वहां मैंने कुछ देखा।"

कहा, "तू ने क्या देखा?"

161 उसने कहा, "मैंने परमेश्वर की एक बड़ी सेना देखी, जो उसके दाहिने ओर बाएं बैठी थी। और उसके एक और दूसरे हाथ की ओर स्वर्गदूत बैठे थे।" और कहा, "जब मैंने स्वर्गदूतों को एक हाथ और दूसरे हाथ की ओर बैठे हुए देखा, स्वर्ग में एक सेना एकत्र हुई।" और कहा, "परमेश्वर ने कहा, 'मैं कौन है जिसे मैं भेजूं?'" ओह, प्रभु! सुनिए। "'मैं किसको नीचे भेज सकता हूं, ताकि हम आहाब को वहां मेरा वचन पूरा करने के लिए लाऊं, जो कि मेरे भविष्यव्यक्ता के द्वारा बोला गया था?'"

162 चाहे जो भी हो, भाई, वचन के साथ बने रहे, कितने भी नाच और दावते उनकी हो, और वे इसे कलीसिया में कितना भी करे, वे कलीसिया में कैसे भी कार्य करे चाहे वे *यह*, *वह*, *इत्यादि*, कितना भी करे। वचन के साथ बने रहे। यह सही है। परमेश्वर अपने वचन को हर समय बनाये रखता है।

163 ध्यान दें। "परन्तु कहा, 'हम किसे नीचे भेजे? किसे नीचे भेजे वहां कि जाकर और आहाब को यहां ले आये, क्योंकि इसे पूरा होना है?'"

164 और उसने कहा, "मैंने देखा एक झूठ बोलने वाली आत्मा आयी। बोली, 'मुझे जाने दे। मैं नीचे जाऊंगी और हर बिशप के भीतर बैठ जाऊंगी, और उन भविष्यवक्ताओं के, और सारे प्रांतीय पुरोहितो, और उन सब बाकियो में समा जाऊंगी। और उन्हें झूठी भविष्यवाणी के लिए प्रेरित करूंगी, इसलिए मैं उन्हें वहां ला सकती हूं।'"

165 अब एक मिनट रुकिए। ठहरिए। क्या आप तैयार है? प्रेरणा, प्रेरणा वह जो बाईबल के साथ मेल ना खाये, वह गलत प्रेरणा है।

166 "भाई ब्रन्हम, हम कैसे निश्चित हो सकते हैं कि हम सही हैं? हम *इसे* उसे आते हुए देखते हैं। हम *इसे* आते हुए देखते हैं, और ये सारी चीजें, और हठ धार्मिकताये।" वचन के साथ स्थिर रहे!

167 निश्चय ही, वे दोनों प्रेरित थे। यहाँ एक छोटा व्यक्ति था, जो स्वयं अकेला खड़ा था। वह प्रेरणा में था। यहां चार सौ थे, अच्छे बिशप, और वे प्रेरणा में थे। और प्रत्येक कह रहा था, "**यहोवा यों कहता है**।"

"परन्तु हम कैसे जाने कि कौन सा ठीक है? " वचन के साथ स्थिर रहे।

168 मिकायाह के पास वचन था, और वह जानता था कि बुरे के साथ बुरा होना है। वह इस ढोंग को जानता था, वह बनावटी विश्वासी धर्म, वह चीज जिसमें बहुत सारा सामाजिक वर्ग है, और एक रंगी हुई इजाबेल, और वे दूसरी चीजे, जीवित परमेश्वर के हाथ के द्वारा ही होना था। क्योंकि, भविष्यव्यक्ता, परमेश्वर के वचन ने ऐसा ही कहा था।

आप कहते हैं, "क्या भविष्यव्यक्ता परमेश्वर का वचन था? " जी हां, श्रीमान।

169 मत डर। "बीते समय में और भांति–भांति से प्रभु ने हमारे पितरो से भविष्यव्यक्ताओं के द्वारा बातें की, इन अन्त के दिनों में अपने पुत्र के द्वारा, मसीह यीशु।" यह ठीक बात है। निश्चय ही, यह परमेश्वर का वचन था।

170 वहां वे प्रेरणा में था, सोचा कि वे ठीक थे! मैं यह नहीं कहता कि वे सच्चे नहीं थे। वे थे। वे महान पुरुष थे। वे अशिक्षित मनुष्य नहीं थे। वे अस्थिर व्यक्ति नही थे। वे महान पुरुष थे, वचन में शिक्षित, प्रेरणायुक्त। परन्तु उनकी प्रेरणा बाईबल के वचन के साथ मेल नहीं खाती थी। यही कारण था कि मिकायाह जानता था कि वे गलत थे।

171 और बाईबल ने यह कहा, कि, "अन्त के दिनो में, लोग अपना ही भला चाहने वाले होंगे।"

172 "क्यों, तुम्हारा मुझे बताने का अर्थ कि वह छोटा सा तुच्छ जन मुझे बता सकता है? मैं बिशप हूं। मैं *अमूक–अमूक* का अध्यक्ष हूं। मैं कैथोलिक कलीसिया में महान व्यक्ति हूं। मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, और यहां तक की पेंटीकोस्टल में महान व्यक्ति हूं। मैं प्रन्तीय पुरोहित हूं। तुम्हारे कहने का अर्थ है, तुम उसे मुझे... " यह ठीक बात है। "तुम्हे मुझे बताने का अर्थ *ऐसा* और *वैसा* है? "

173 बाईबल ने कहा, "वे अपना ही हित चाहने वाले होंगे, डींग मार, घमण्डी, निन्दक, अवज्ञाकारी, धन्यवाद रहित, अपवित्र, स्वाभाविक प्रेमी नही, असंयमी, और उन भले के विरोधी; भक्ति का भेष भरते है, जैसे कि उन्होंने किया, परन्तु वचन की सामर्थ का इन्कार करते है।" यदि वे उसके अनुसार ना बोले, तो उनमें जीवन नहीं। यह ठीक बात है। "भक्ति का भेष धरते है, परन्तु इसका इन्कार करते है; ऐसो से अलग रहना। क्योंकि इस

प्रकार के लोग घरो में घुसते, अपनी छोटी पुस्तको और अभियानों, और आदि–आदि के साथ, और मूर्ख स्त्रियों को जो पाप से दबी है, उन्हें बहका देते है नाना प्रकार की अभिलाषाओं में, सदा सीखती तो रहती है, और कभी भी सत्य तक नही आ पाती है।"

174 वे किस प्रकार के हैं? यम्ब्रेस और यन्नेस में सब प्रकार की धर्मान्धता और सारी चीजे थी। "जैसे यन्नेस और यम्ब्रेस ने मूसा का सामना किया, वैसे ही ये सत्य का विरोध करते हैं: वचन के विषय में निंदा करने वाले मन के लोग।" परमेश्वर के वचन को लेने का यत्न करते है और इसे किसी और में दूषित कर देते है, काल्पनिक, या धार्मिक संस्था में, या एक बड़ा नाम बनाते हैं, या अपना नाम बड़ा करते हैं। "ऐसो से परे रहना।" वचन के संग बने रहना!

175 क्या घटित हुआ? उसने कहा, "मैंने इस झूठी आत्मा को देखा कि, 'मैं नीचे जा कर उन्हें उकसाऊंगी। मैं उन से झूठी भविष्यवाणी करवाऊंगी।'" और वे लोग, जो जनता को खुश रखना चाहते है!

176 ओह परमेश्वर, हमारी सहायता कर। इसलिए इसे लेना चाहते है, "कानो की खुजली के साथ शिक्षक बने, इस सत्य को छोड़ कथा कहानियों की ओर फिर गए," जैसे कि पवित्र आत्मा ने चेतावनी दी और हमें बताया, कि अंत के दिनों में, वे कैसे होंगे। स्वयं को लोकप्रिय करने की इच्छा रखते है, कि रेडियो की बड़ा स्थान, या बड़ा टेलीवीजन, या एक बड़ा नाम, या एक कलीसिया में बड़ी पकड़, कुछ महान, जिससे स्वयं को ऊंचा उठाये। इसलिए करना चाहते है, जब तक कि वे इसे वचन में देखने में असफल रहते हैं।

177 परन्तु, मिकायाह वचन देख रहा था। उसके पास सत्य था। उसके पास वचन था। ध्यान दें, तब, उसने बताया कि क्या घटित होने जा रहा है।

178 और इस व्यक्ति ने जाकर और उसके मुख पर थप्पड़ मारा, बोला, "परमेश्वर का आत्मा किस मार्ग से गया? "

179 कहा, "तू तब देखेंगा जब तू अंदर की कोठरी में छिपा हुआ बैठा होगा।"

180 और आहाब ने कहा, "इसे जेल में डाल दो। जो भी सारी सभायें बंद कर दो। हम आस पास में कोई भी पवित्र–शोर मचाने वालों का कार्य नहीं चाहते।" कोई चिंता नही, यह आ रहा है। "इसे जेल में डाल दो और उसे

दु:ख की रोटी दो और दु:ख का पानी दो। और जब मैं शांति से लौट आऊं, तो मैं इसे देखुंगा," दूसरे शब्दों में, "उसका सिर काट दूंगा।"

181 बूढ़ा मिकायाह, परमेश्वर के वचन पर स्थिर था, अपने दर्शन को जानता था। ओह परमेश्वर! जानता था कि उसका दर्शन ठीक परमेश्वर के वचन के साथ है, यह असफल नहीं हो सकता। उसने कहा, "यदि तू वापस आ गया, शान्ति से, तो परमेश्वर मुझ से बात नहीं बोला।" आमीन, और आमीन!

182 ओह, लोग! समय अधिक हो गया है। लेकिन मेरे प्रिय मित्र, मैं आपसे यह कहना चाहता हूं। आप (कभी भी) उस योजना को ना सुने जो आपको *यह* बताता है कि यह परमेश्वर का वचन और सत्य नहीं है। आप किसी भी बेढंगी बात को कभी ना सुने जो प्रभु यीशु मसीह के द्वारा ना लाई गयी हो या उसकी भविष्यवाणी की गई हो। क्योंकि, वह, जब स्वयं आया और बीमारों को चंगा किया, उसने यह केवल इसलिए किया ताकि वचन किया जा सके। केवल वचन को पूरा करने के लिए!

183 उसने दोनों भविष्यवाणी की है सब प्रकार की कलीसियाओ के लिए। प्रकाशितवाक्य 17 में कहा है, "मैंने एक स्त्री को देखा, वेश्या को, जो कि एक महान बैगनी रंग के पशु पर बैठी है, जिसके सात सिर है।" वेटिकन सात पहाड़ो पर है। अभी कुछ महीनो पहले होकर आया हूं। और कहा, "वह व्यभिचारणीयो की माता है," पुत्रियां जो उससे उत्पन्न हुई है। कोई भी बुरी स्त्री एक अच्छी लड़की को जन्म दे सकती है। परन्तु ध्यान दे। व्यभिचारणी क्या है? एक वेश्या। ये बदनाम स्त्रियां क्या है? क्या पुरुष लोग... क्या स्त्रियां व्यभिचार करती और दूसरे पुरुषों के संग रहती हैं, जो उनके पति नहीं होते।

184 और ये लोग, ये कलीसियाये, परमेश्वर के दास और परमेश्वर की कलीसिया होने का दावा करते है, और असहनीय और संसार की बाते करते हैं। वे आत्मिक व्यभिचार करते हैं। वे अपनी भक्त मण्डलियो को मुंह रंगने देते है, वे... स्त्रियां छोटे वस्त्र पहनती है। और वे संसार के समान कपड़े पहन कर बाहर जाती है, और कभी दोषी नहीं ठहराते। वे लोगो को सिगरेट पीने देते हैं एक सामाजिक सिगरेट, और शराब का जाम। और उन्हें ताश खेलने की अनुमति देते है, और तहखाने में जुए खेलने देना, और कविताये और नाच, कलीसियाओं में और सूप पार्टियां और सब दूसरी

चीजे, और थोड़ा सा धर्मज्ञान सिखाते है बजाये परमेश्वर के जीवित वचन के। आप जानते हैं यह सत्य है। यह मामूली, जमघट, खोजे बने हुए, मैं–नहीं जानता–क्या, शैतान का है! और मसीह के नाम में, मैं इसे दोषी ठहराता हूं, परमेश्वर के वचन के उजियाले में, और कहता हूं, "हमें कठोर होना चाहिए, पवित्र आत्मा से जन्मे और प्रेरणा पाये हुए, नम्रता में, और परमेश्वर की उपस्थिति में चल रहे है, कि आने वाले दिनों में उठाये जाने को तैयार कर दे।" उन बातों से वापस फिरो... परमेश्वर के लोगो घुटनों पर आ जाओ। तुम परमेश्वर की कलीसिया, जो इस बात का दावा करते है कि तुमने परमेश्वर के आशीषो के उन—उन किनारो को चूमा है, परमेश्वर के वचन के साथ बने रहे। और कोई भी चीज जो इसके विरुद्ध है, उससे अलग हो जाये, और आगे बढ़ते रहे। सांझ का उजियाला यहां पर है। प्रभु यीशु जल्द ही आ रहा है।

क्या हम अपने सिरों को एक क्षण के लिए झुकायेंगे।

185 ओह, उस महान दिन के लिए, जो दिन का दिन, और पुस्तको की पुस्तक। "और पुस्तके खोली गयी, और हर मनुष्य का न्याय वचनों के अनुसार हुआ जो उस पुस्तक में लिखे थे।"

186 मेरे बेचारे, भ्रमित मित्र, सब नहीं... जी हां, मेरे मित्र, और आप जिन्होंने बेकार यत्न किया है, और हवा से लड़े। मैंने ध्यान दिया, चिड़िया के समान, अपने सिर को खिड़की के शीशे में मारती है, कि उजियाले को बाहर लाये। उसने क्या किया? उसने—उसने केवल अपना ही भेजा बाहर निकाला लिया। उजियाला चमकता रहा।

187 एक दिन, उस स्वतंत्रता की मूरत या स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी में, उस बड़ी भुजा में, छोटी चिड़ियाये आस पास मरी पड़ी थी। मैंने कहा, "क्या हुआ? "

188 उस व्यक्ति ने कहा, "वहां—वहां पिछली रात्री तूफान आया था। और तूफान में, यह छोटी चिडियाये उजियाले में घुसी। बजाये की उस उजियाले से सुरक्षित स्थान पाने की कोशिश करती, उन्होंने ज्योति को, अपने छोटे पंखों से बुझाना चाहा। और उनका भेजा बाहर निकल गया।"

189 अपना भेजा बाहर निकालने यत्न ना करे, कि परमेश्वर के वचन से कुछ ऐसा कहलाये जो वह नहीं कहता। अपने को आज के समाजों से

मिलाने का यत्न ना करे, क्योंकि, "यदि आप संसार से प्रेम करते है, या संसार की वस्तुओं से, तो फिर परमेश्वर का प्रेम आप में नहीं है।"

190 क्यों नही सन्देश की ज्योति लेकर और आज रात्री संतुष्ट होने के लिए उड़ जाए? "ओह, परमेश्वर हमे बचाए।"

191 स्वर्गीय पिता, जैसे कि पुरुष और स्त्रियां यहां पर बैठे हुए हैं, लड़के और लड़कियां, अनंतता के लिए लोग, वो—वो पेट्रोलियम और अंतरक्षिय ज्योति इस संसार की, सोलह विभिन्न पदार्थो के साथ जिससे हम बने हुए हैं। उनके देह के भीतर एक प्राण है जो कि अमूल्य है; वह आरंभ, वह प्रस्थान।

192 और प्रभु, मैं तुझ से प्रार्थना करता हूं, कि इसी समय उस ह्रदय उस प्राण, उस कोमल स्थान के साथ जो सदा जीवित रहता है, व्यवहार कर जो हमें आगे बढ़ाता है। और मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि आप आज रात्री प्रत्येक खोए हुए पापी को बचा लेंगे। वे अनुभव कर सके, कि बड़े मील के पत्थर, जिन्हें हम पीछे छोड़ते जा रहे हैं, ये चिन्ह सड़क के दोनों ओर चमक रहे हैं, यह केवल जल्द ही उस धर्मी के प्रगट होने की ओर संकेत कर रहे है, वह प्रभु यीशु; जो जीवन के अर्थ का मित्र हो रहा है; कि अनंत जीवन क्या है जाने। और हम उसे बाईबल के अनुसार जान सकते हैं, ना कि हमारी कलीसिया के द्वारा; परन्तु, जन्म के द्वारा, नये जन्म, नया जन्म लेते हुए।

193 और, पिता, मैं अपने सम्पूर्ण ह्रदय से विश्वास करता हूं, यहां एक भी मरणहार व्यक्ति नहीं है, मुझे भी लेकर, जो दोषी ठहराना चाहता हो या नरक में जाना चाहते हो। और हम क्यों किसी चीज को अपने मार्ग में आने दे? क्यों हम धोखे वाली नकली को स्वीकार करे, जब की आकाश वास्तविकता से भरा हुआ है?

194 और जब की पृथ्वी अपनी महान मद्यपान की दावत, शराब पीना, कोलाहल, अधनंगी महिलायें, जैसे नबूकदनेस्सर की रखेले थी, दीवार पर हस्तलेख लिखा जा रहा है। दर्शी इसे आता हुआ देख रहे हैं, जो की साधारण लोगो से ऊपर उठता है। हम इसे देखते हैं क्योंकि यह वचन में लिखा हुआ है। "अब जल नहीं, परन्तु इस बार आग।" और हम दीवार पर हस्तलेख देखते हैं। हम देखते हैं कि प्रत्येक राष्ट्र दोषी हो गया है।

195 और परमेश्वर अपनी कलीसिया को लेने जा रहा है, फिर से जन्म

हुए। वह घड़ी आ रही है जो वे पिछले युग के लूथरन युग, मैथोडिस्ट युग, सारे युगों से होते हुए, जो सच्चे ह्रदय से परमेश्वर में सोये हुए है, जब दाना केवल एक छोटी पत्ती था, और जब यह एक फुंदनी था, परन्तु, यह कुल मिलाकर, वह जीवन होगा जो इकट्ठा होकर, और पुनरुत्थान आएगा। वे सब प्रभु यीशु की एक सुंदर देह का निर्माण करेंगे, यह जल्द ही होने वाला है।

196 आपने कहा, "वे जो इसे अस्वीकार करेंगे, वे रोने और कष्ट, और दांत पीसने के लिए बाहर अंधकार में फेंक दिए जायेंगे।" पिता परमेश्वर, यहां कोई भी व्यक्ति वहां नहीं होना चाहेगा।

197 ओह, परमेश्वर हम पर दया कर। और हमारे पश्चातापी ह्रदयो के साथ, और अपने सिर पृथ्वी की ओर झुकाए हुए, जहां से आपने हमें लिया, और यदि आप देरी करते हैं, तो हम वापस जाएंगे। परमेश्वर, हम पर दयालू हो, जैसा कि मैं इस प्रतीक्षा करती हुई भक्त मण्डली के लिए निवेदन करता हूं। आज रात्री इस संदेश के पश्चात, मैं प्रार्थना करता हूं कि लोग तेरी उपस्थिति में खड़े होने का अनुभव कर सके।

198 और जबकि हम अपने सिर झुकाये हुए है, क्या यहां कोई व्यक्ति है... बल्कि कितने, (आप में से बहुत से होने ही है,) कि आप अनुभव करे कि आपका जीवन परमेश्वर के वचन से मेल नही खाता? क्या आप टालते आ रहे हैं। आपने कच्चा विश्वास किया है। और आपने एक छोटा सा संसार ले लिया है, और थोडा सा *इसका* और थोडा सा *उसका*। और आप इससे बीमार और थके हुए हैं, आज रात्री। ओह, आपने कलीसिया की सदस्यता ली है, यह सत्य है; हो सकता है आपने नहीं किया। मैं नहीं जानता। परन्तु, परमेश्वर के सन्मुख, हम जो इस प्रात: से पहले उसकी उपस्थिति में खड़े हो सकते हैं, सम्भव है कोई परमाणु की मिसाईल इन सारी चीजो को नष्ट कर दे, सर्वनाश में, इससे पहले कि भोर हो। स्मरण रखें, अब रूस में अब दिन का उजियाला है।

199 उसने कहा, "एक पंलग पर दो होंगे," कही जब वह आयेगा रात्री होनी चाहिए, "एक ले लिया जाएगा, दूसरा छोड़ दिया जाएगा।"

200 क्या आप अपने ह्रदय में संतुष्ट हैं, परमेश्वर के वचन के उजियाले में, आपने परमेश्वर के आत्मा के द्वारा नया जन्म लिया है, और जीवन के फल आपके जीवन में लगते हैं, प्रेम, आनंद, शांति, धीरज, भलाई, विश्वास,

दया, धैर्य के साथ? यह आपमें आ रहा है?

201 यदि नहीं, क्या आप इतने—इतने सवेदनशील है, सम्भव है मैं इस प्रकार से रखूं, जैसे कि परमेश्वर की ओर हाथ उठाने से, और आप अपने गलत कहने को स्वीकार करे, कह रहे हैं, "परमेश्वर, मुझ पर दयावान हो, और मेरी वैसा मसीही होने में सहायता करें जैसा आप चाहते हैं कि मैं होऊं, पवित्र आत्मा देने के द्वारा और मैं भक्ती का जीवन व्यतीत करूं"? क्या आप अपने हाथ को परमेश्वर की ओर उठायेंगे? परमेश्वर प्रत्येक को आशीष दे। बहुत से, बहुत से हाथ उठे है।

202 अब, क्या कोई और है जो अपना हाथ उठाना चाहेगा, जो उस समय नहीं किया? क्या आप अपना हाथ उठायेंगे? महिलाए... परमेश्वर आपको आशीष दे। पुरुषो, महिलाओं, क्या आप वास्तव में... महिला, परमेश्वर आपको आशीष दे। महिला, परमेश्वर आपको आशीष दे। श्रीमान, परमेश्वर आपको आशीष दे। बहन, परमेश्वर आपको आशीष दे। छोटे लड़के परमेश्वर आपको आशीष दे।

203 क्या आप इस गम्भीरता को अनुभव करते हैं? आप यहां केवल संदेश सुनने नही आते... या संदेशवाहक को देखने, मेरा अर्थ। आप सन्देश सुनने आते है। और संदेश, वो है, जो पवित्र आत्मा परमेश्वर के वचन को लेता है और आपको देता है।

204 अब, इस विषय में क्या है? सम्भवत है भोर होते–होते अधिक देर हो जाए। क्या आप परमेश्वर की उपस्थिति में अपने हाथ को उठाना चाहेंगे, आप जिसने अभी तक, और कहे, "परमेश्वर, मुझ पर दयावान हो। मैं आपके आत्मा को अपने में चाहता हूं"? क्योंकि... परमेश्वर आपको आशीष दे, श्रीमान। परमेश्वर आपको आशीष दे। वहां पीछे परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे, और आपको, और आपको, और आपको। जी हां। परमेश्वर आपको आशीष दे, श्रीमान। परमेश्वर आपको आशीष दे, श्रीमान।

205 क्या आप कहना चाहेंगे, "परमेश्वर, मैं कुम्हार के घर को जा रहा हूं। मैं बीमार और थका हुआ हूं। मैंने सदा एक पवित्र जीवन की इच्छा की है। और, आज रात्री, मैं कुम्हार के घर का अपना ह्रदय रखने जा रहा हूं, और कहूंगा, 'परमेश्वर, इसे पूरी रीति से तोड़ दे, और मुझे नया ह्रदय दे, एक नई आत्मा, और अपना आत्मा इसके बीच में डाले।' और मेरा जीवन ठीक

आपके वचन के अनुसार व्यतीत हो। मुझे आज का मिकायाह बनाये, ताकि मैं **यहोवा यों कहता है** पर खड़ा रह सकूं। और मेरा दर्शन और मेरा जीवन, जो—जो मैं आपके समक्ष जीता हूं; ना कि मैं, परन्तु आत्मा मुझ में, उस जीवन को जीये जो बाईबल की मांग है। मैं इस प्रकार का होना चाहता हूं। हे परमेश्वर, आपके अनुग्रह के द्वारा, मुझे इस प्रकार का बनाए"?

206 अब कोई, जिसने अपना हाथ नहीं उठाया है, क्या आप अब करेंगे? महिला, परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। परमेश्वर आपको आशीष दे। थोड़ा शान्त बैठे, अब जबकि आप प्रार्थना कर रहे हैं। हर सिर झुका हुआ है, हर एक आंख बंद है, हर कोई प्रार्थना कर रहा है। धीरे–धीरे, मिठास में, अब इसे स्वीकार करें।

... तेज अनुवाद,
पृथ्वी की कोई भी चीज स्थिर नहीं रह सकती,
अपनी आशाए अनंत बातों पर बनाएं,
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को पकड़ ले!

परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को पकड़ ले!
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को पकड़ ले!
अपनी आशाए अनंत चीजों पर बनाएं,
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को पकड़ ले!

अब परमेश्वर के साथ बंद हो जाये।

जब आपकी यात्रा पूरी हो जाए, (ओह!)
यदि आप परमेश्वर के संग सच्चे रहे हैं,
शद्ध और चमकदार आपका घर महिमा में,
आपको उत्तेजित प्राण दिखाई पड़ेगा! (अब आपको क्या करना चाहिए?)

परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को थामे रहे! (यह उसका वचन है।)
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को पकड़ ले!
अनन्त चीजो पर अपनी आशाये बना ले,
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को पकड़ ले!

207 वह ठीक आपके पास है।

208 मैं श्रोतागणों के झुण्ड के पार देख रहा हूं, एक प्रिय छोटा व्यक्ति; अपनी प्रियसी को अलविदा कहा, उस दिन थोड़ी देर के लिए। और एक और यहां बैठा हुआ था, कहीं तो, अपनी प्रियतमा को अलविदा कहा, थोड़ी देर के लिए। जैसे ही वे बाहर निकले, वे परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को पकड़े हुए थे। उनके प्रिय पति आज रात यहां पर है, आज रात्री, परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को पकड़े लो, यह जान ले कि प्रियसी फिर मिलेगी। ओह, वह क्या होगा यदि इनके पास यह नहीं हुआ? ओह, अपनी आशाओं को अनंत चीजों पर बनाएं!

परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को पकड़ लो!

209 हमारे स्वर्गीय पिता, जैसे कि मीठा संगीत स्वर दे रहा है, और यह संदेश है। एक प्रचारक, पवित्र आत्मा, हमें संगीत के द्वारा प्रचार कर रहा है, बता रहा है कि आज रात्री इस संदेश के साथ क्या करे, "केवल परमेश्वर के ना बदलने वाले वचन को थाम लो। आकाश और पृथ्वी टल जाएंगे, और बदल जाएंगे, परन्तु मेरा वचन कभी ना टलेगा।" यह नहीं बदल सकता। यह ना बदलने वाले परमेश्वर का वचन है।

210 "तेरे वचन को मैंने अपने ह्रदय में छिपा लिया है," भजन संहिता में कहा, "कि मैं तेरे विरुद्ध पाप नही करूंगा।"

211 पिता, आज रात रात्री यहां बीस या तीस हाथ खड़े हुए। पुरुषों और महिलाओं ने वचन को सुन लिया है, जब, "विश्वास सुनने से आता है।" उन्होंने, इस एक, सर्व–पर्याप्त निर्णय को लिया है, ताकि इस घड़ी से आपकी सहायता और अनुग्रह से, वे आपकी सेवा करेंगे।

212 अब पिता क्या आप मिठास के साथ उनके ह्रदयो में उतर आयेंगे? अपना आत्मा उनके नये आत्मा में डालें दे। आपको उन्हें एक नई आत्मा देना ही था, या वे कभी भी अपने हाथो को रोके नही रहेंगे। नही तो उनकी इच्छा ही नहीं होती। परन्तु, वे कुम्हार के घर को गए, और उन्होंने आपको अपनी भावनाओं और उनके विचारों को बदलने दिया। और अब, उनके ह्रदयो में, वे नम्र हो गए हैं।

213 और आपने कहा, "जब तक मेरा पिता ही किसी को ना खींच ले कोई मेरे पास नहीं आ सकता।" बालको से बूढों तक किसी ने अपने हाथ उठाये ना होते, जब तक आप उनसे यह करने को नहीं कहते। उन्होंने यह किया

है क्योंकि आपने बात की है। और यह परमेश्वर है, जो उन्हें मसीह को दे रहा है, एक प्रेम के उपहार के समान। उन्होंने अपना ह्रदय दे दिया है।

214 और हम आपकी महान आवाज को यह कहते हुए सुनते हैं, "वह जो मेरी आवाज सुनता है।" आपकी कलीसिया नही; आपकी कलीसिया के पास आपका वचन है, और यह आपके वचन के विरोध में नहीं है। "परन्तु वह जो मेरे वचन को सुनता, और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है, और उस पर न्याय नहीं आता, परन्तु मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर गया।"

215 पिता, इन्हें लम्बे जीवन के साथ, अनंत जीवन के साथ आशीषित करे। और इन्हें अंतिम दिन जिला ले, जैसा कि आपने प्रतिज्ञा की है। और होने पाए कि यह समर्पण की एक महान सेवा होने पाए, जब कि जीवित परमेश्वर के संत आनन्द करेंगे और नए होंगे।

216 होने पाए रोगी, प्रत्येक, यदि यहां कोई उपस्थित है, वे चंगे हो जाए। आपका आत्मा हमारे प्रभु मसीह के द्वारा प्रगट होने पाए।

217 अब अपने उठे हुए सिरों के साथ, एक क्षण। मुझे सोचता हूं, जिन्होंने अपने हाथ उठाये है, मैं विश्वास करता हूं जो आपने कहा है स्वीकार करते है। परन्तु, और मैं विश्वास करता हूं कि आप सच्चे थे। और मैं आपको परमेश्वर के वचन के पास ले गया, जो कि सत्य है।

218 अब केवल एक ही प्रश्न है, जहां कि, जिसका आपके लिए अर्थ है? यदि आपने किया है, तो यह परमेश्वर था जिसने आपके ह्रदय को खटखटाया है। [भाई ब्रन्हम ने पुलपीट को खटखटाया—सम्पा।] यह ठीक बात है। अब, यदि यह वास्तव में आपके लिए अर्थ रखता है, तो फिर पुरानी चीजे जाती रही। परमेश्वर ने ऐसा कहा है। यह बदल नही सकता।

219 यीशु ने कहा, "वह जो मेरे वचनों को सुनता और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनंत जीवन है।"

220 मैं सोचता हूं, यदि यह वास्तव में आपके ह्रदय में हुआ है, कि आप परमेश्वर का पर्याप्त आभार अनुभव कर रहे है, कि आप यहां वेदी पर आना चाहेंगे, और घुटने टेककर और उसे धन्यवाद देंगे जो उसने आपके लिए किया है।

221 और जबकी बहन उसी गाने को बजा रही है। मैं चाहूंगा कि प्रत्येक जिसने अपना हाथ उठाया है, उनके साथ जिन्होंने नहीं उठाया, जो चाहते

है उन्हें भी आना चाहिए। और आइये हम घुटने टिका कर और सर्वशक्तिमान को धन्यवाद दे, उसके लिए जो उसने हमारे लिए किया है। और सिद्ध किया कि आप सच्चे थे।

अपनी आशाये अनंत चीजों पर बनाएं,
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को पकड़ ले!

जब हमारी यात्रा पूरी हो जाये,
यदि आप परमेश्वर के प्रति सच्चे रहे हैं,
सुंदर और चमकदार आपका घर महिमा में,
आपका सम्पूर्ण प्राण दिखाई पड़ेगा!

परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को पकड़ ले!
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को पकड़ ले!
अपनी आशाये अनंत चीजों पर बनाएं,
परमेश्वर के ना बदलने वाले हाथ को पकड़ ले!

ओह! अब *मैं इसमें से होकर जा रहा हूं*।

222 अब मैं सोचता हूं, हमारे पास आज रात्री यहां बहुत से पास्टर और सुसमाचार प्रचारक हैं, जो परमेश्वर के राज्य में प्राणों को देखना पसंद करते हैं, मैं सोचता हूं, यदि आप, यहां आये, पास्टर, भाईयो अच्छा होगा यदि आप अपना स्थान यहां आकर ले ले हम इन प्रिय लोगों के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं।

223 आप जानते हैं क्या? मैंने वचन के अनुसार, परखने का यत्न किया है। उन्होंने अपने हाथ खड़े किए है कि वे आज रात्री परमेश्वर के अनन्त वचन को स्वीकार करेंगे, और विश्वास करेंगे। और मैंने कहा, "अब हमने प्रार्थना की है।"

224 अब देखिए यीशु ने क्या कहा। अब इसे वचन पर ले। हमारे पास बहुत सी कल्पनायें है, परन्तु हम इसे वचन से ले। यीशु ने कहा, "वह जो मेरा वचन सुनता है, और उस पर विश्वास करता है जिसने मुझे भेजा, उसके पास अनंत जीवन है, और न्याय में नहीं आएगा, परन्तु मृत्यु से पार होकर जीवन में प्रवेश कर गया।" परमेश्वर ने ऐसा कहा है। यह सदा के लिए स्थिर हो गया। "मनुष्य नहीं," यीशु ने कहा, "मेरे पास नहीं आ सकता, जब तक मेरा पिता ही उसे ना खींचे। और वह सब जो पिता ने मुझे दिया है, मेरे पास आएगा।" कोई नहीं खोया है। "वह जो मेरा मांस खाता और

मेरा लहू पीता है, उसके पास अनंत जीवन है, और मैं उसे अंतिम दिन जिला उठाऊंगा।"

225 ओह, क्या ही शानदार, इस वेदी को देखना, जब एक प्राण, दस हजार संसारों के समान मूल्यवान है। वे कभी भी कलीसिया के सदस्य बनने नहीं आए। वे इसलिए आते हैं क्योंकि वे मसीह की देह के सदस्य हैं। वे धन्यवाद चढ़ाने और प्रार्थना करने आते हैं। और मैं प्रार्थना करता हूं पवित्र आत्मा अभिषेक करेगा और प्रत्येक ह्रदय को भर देगा ऊपर और नीचे, आज रात्री इस वेदी पर, शान्ति के, और मिठास, नम्र आत्मा के साथ, वह फलो को लायेगा और मसीह की धार्मिकता को लेकर आएगा, जब तक उनकी देह में श्वास है, और अपने घर महिमा में जाते है।

226 क्या प्रचारक और पास्टर लोग आकर हमारे संग चारो ओर खड़े होंगे, जबकि हम प्रार्थना करते हैं, यदि आप आयेंगे। प्रत्येक, कोई मतलब नहीं आप कलीसियाओं से सम्बन्धित है, इसका कोई लेना–देना नहीं है। इसके साथ हम केवल चाहते हैं कि लोगो के चारो ओर आ जाए।

मैं इसमें से होकर जा रहा हूं, हां, मैं जा रहा हूं...
(आपके ह्रदय का यही उद्देश्य हो।)
मैं दाम चुकाऊंगा, जो दूसरे मसीही करते हैं,
मैं अपना मार्ग लूंगा (मिकायाह के समान।) प्रभु के लिए
तुच्छ थोड़े लोगों के संग,
मैंने यीशु के साथ आरंभ कर लिया है, और मैं इसमें
से होकर जा रहा हूं।

ओह, मैं इसमें से होकर जा रहा हूं, हां, मैं जा रहा हूं...
मैं दाम चुकाऊंगा, दूसरे मसीही जो करते हैं,
मैं प्रभु के लिए थोड़े से तुच्छ लोगो के साथ अपना मार्ग
लूंगा,
मैंने यीशु के साथ आरंभ कर लिया है, और मैं इसमें
से होकर जा रहा हूं।

227 मैं... क्या कोई और है जो इस मार्ग को लेना चाहेगा? "तुम मेरे पिता के सन्मुख, मुझ से लज्जाये हो या मनुष्यों के सामने, मैं भी भोर को स्वर्गदूतों के सामने लज्जाऊंगा।"

228 क्या आप पक्ष लेने के लिए इस छोटी भक्त मण्डली के सामने लज्जाये

हैं? क्या आप लज्जाये है? "वो जो मुझे मनुष्यों के सन्मुख मान लेगा, मैं भी उसे पिता के सामने मान लुंगा।"

प्रभु, मैं मार्ग लुंगा, मैं इसमें से होकर जा रहा हूं।
मैंने यीशु के साथ आरंभ कर लिया है, और मैं इसमें
से होकर जा रहा हूं।

229 हर एक प्रार्थना में रहे, हर एक जन, जब कि वे परमेश्वर का धन्यवाद कर रहे हैं, अपने पापों की क्षमा के लिए।

230 हे परमेश्वर, मनुष्य जाति का पिता और छुड़ाने वाला, ये आज रात आए हैं, यह स्वीकार करते हुए कि उन्हें पर्याप्त रूप से मसीह की देह में नहीं रखा गया है। और वे आज रात्रि आते हैं, कि परमेश्वर के हाथ के मार्गदर्शन के द्वारा, और वचन के द्वारा, अपने स्थान को ले।

231 और अब हम प्रार्थना करते हैं, कि आप उन्हें राज्य में स्थिति में रखेंगे, जो भी वे सेवा करेंगे। और होने पाए वे आज रात्रि एक चित्त होकर, आपके पवित्र वचन पर विश्वास करें। और होने पाए आप, पवित्र आत्मा के द्वारा, उनसे बात करें, और होने पाए वे बस, प्रेरणा के द्वारा, मसीह की देह में उस स्थिति में ले जाए, जिसके लिए आपने उन्हें बुलाया है।

232 हे परमेश्वर, इसके लिए हम कैसे तेरा धन्यवाद करे! यह तेरी दृष्टि में शानदार है। इन पुरुषों और स्त्रियों को तेरी वेदी पर नम्रता से घुटने टेके हुए देख कर हमारे ह्रदयो को उत्तेजित करता है, और अपने अपराधो को स्वीकार करते हैं, और अनुग्रह के लिए अनुरोध करते हैं। प्रभु, उन्हें उनमें से होकर ले।

233 आपके अभिषिक्त दास, और वचन के सेवकगण, इन लोगों के पास खड़े हैं, और मैं यहां पवित्र मेज के पास खड़ा हूं।

234 यह शानदार अवसर है। परमेश्वर के स्वर्गदूतो ने अपने निवास को छोड़, आज रात्री इस स्थान नीचे आ गए हैं। क्योंकि यह वचन में लिखा है, "परमेश्वर के दूत उसके डरवयों के चारो ओर छावनी किए रहते हैं।"

235 और इस ना दिखने वाले संसार में, जो हमारे चारों ओर है, हमारी भावनाओं को प्राश्चित के लिए झकझोर रहे है, और बुराईयो को हमारी दृष्टी के सामने ला रहे है, कि हमने गलत किया है। पश्चातापी ह्रदय के साथ, हम अपने बुरे मार्गो को समर्पित करते हैं, प्रभु, और दिव्य दया के लिए

मांगते हैं। और होने पाए पवित्र आत्मा, जिसने हम पर दया की प्रतिज्ञा की है, इसे हम में से प्रत्येक को दें, जैसा कि हम नम्रतापूर्वक विनंती करते हैं और परमेश्वर से उसके वचन को पूरा करने के लिए मांगते हैं, और हमारे जीवनो को और हमारे चरित्र को उसके वचन में फिट होने के लिए ढाले। हम मसीह के नाम में मांगते हैं।

57–0120E परमेश्वर अपने वचन को पूरा करता है
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org